रायपुर जिला

हरिभूमि रायपुर भूमि

राजधानी में सूची ही तैयार नहीं, जून में लगाएंगे हिसाब-कहां खर्च करना है पैसे?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

16 जून से प्रारंभ होने वाले नवीन शैक्षणिक सत्र में इस बार राजधानी रायपुर की तैयारियों का अता-पता ही नहीं है। रायपुर जिले के किन स्कूलों में नवीन कक्ष का निर्माण किया जाना है, इसकी सूची ही अब तक तैयार नहीं हो सकी है। मई के दूसरे पखवाड़े में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी जिलों से उन स्कूलों की सूची मांगी गई है, जहां नवीन कक्ष का निर्माण किया जाना है। रायपुर में पूर्व से इसकी तैयारी नहीं की गई थी। ऐसे में अब स्कूलों से जानकारी मांगी जा रही है कि वहां ⏭शेष पेज 13 पर

खास खबर

चंद स्कूलों में ही मरम्मत

ना केवल शैक्षणिक सत्र 2025-26 बल्कि सत्र 2024-25 में भी विद्यालयों के मरम्मत अथवा निर्माण कार्य को लेकर विशेष दिलचस्पी जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा नहीं दिखाई गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा मार्च माह में 2 करोड़ की राशि उन स्कूलों के लिए प्रदान की गई थी, जहां मरम्मत की आवश्यकता हो। यह राशि केवल मरम्मत संबंधित कार्य के लिए थी, ना कि नवीन कक्ष अथवा निर्माण के लिए। राशि प्राप्त होने के बाद चंद स्कूलों में ही मरम्मत कार्य हो सका है। अन्य स्कूल अब भी राह ताक रहे हैं।

मार्च में डीपीआई ने मरम्मत के लिए दिए थे दो करोड़

नवीन कक्ष निर्माण के लिए मांगे गए हैं प्रस्ताव

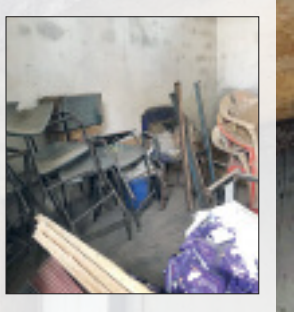

प्रसाधनों की स्थिति सर्वाधिक खराब

प्रदेश के कई जिलों में स्कूल भवन की छत और दीवारें ही गायब हैं। राजधानी में स्थिति इतनी अधिक खराब नहीं है, लेकिन यहां के भी स्कूल मरम्मत मांग रहे हैं। आउटर के विद्यालयों की स्थिति अधिक खराब है। भाठागांव, मोवा, संतोष नगर, चंगोराभाठा सहित माना, जोरा और अमनपुर स्थित शासकीय विद्यालयों में बाथरूम इस्तेमाल करने की ही स्थिति में नहीं है। टॉयलेट सीट टूटी हुई हैं। नल की टोटियां गायब है। कई विद्यालयों में दीवारों और छत के प्लास्टर उखड़ चुके हैं, जहां से पानी का रिसाव भी शुरुआती बारिश के बाद प्रारंभ हो गया है।

खबर संक्षेप

गाड़ी टकराने के विवाद पर नाबालिगों ने किया चाकू से हमला

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक कारोबारी ने गाड़ी टकराने के विवाद पर एक व्यक्ति की जांघ में चाकू से वार कर घायल कर दिया। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने चाकूबाजी के आरोप में तीन नाबालिगों को पकड़ा है। गोलबाजार निवासी श्रेयांस सोनी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने परिवार के साथ रविवार रात कार से एक रेस्टोरेंट गया था। वापसी के दौरान शंकर नगर ओवरब्रिज के नीचे बाइक सवार तीन लड़कों ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। कार से नीचे उतरकर श्रेयांस ने गाड़ी ठीक से चलाने के लिए कहा तो एक नाबालिग ने जेब से चाकू निकालकर श्रेयांस के बड़े भाई प्रियांशु की जांघ पर हमला कर दिया।

नौ साल से फरार चिटफंड कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक पुलिस ने नौ साल से फरार चिटफंड के डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जेएसवी डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड एवं जय विनायक बिल्डकॉप लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर दिनेश हेमराज टेम्भरे उर्फ बबलू को महाराष्ट्र, नागपुर से गिरफ्तार किया है। दिनेश, महादेवघाट रोड स्थित मुस्कान प्लाजा में चिटफंड ऑफिस खोलकर लोगों को ज्यादा रकम मुनाफा कमाने का झांसा देकर उनसे रकम निवेश कराकर ऑफिस बंद कर फरार हो गया था।

शराब बेचते गुंडा बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने क्षेत्र के एक गुंडा, बदमाश को मुखबिर की सूचना पर एक्टिवा पर घूम-घूमकर शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार संतोष दुबे को शराब बेचते गिरफ्तार किया है। संतोष के कब्जे से पुलिस ने 40 पौवा देशी शराब जब्त की है।

सूने मकान से कैश-जेवर समेत लाखों की चोरी

रायपुर। उरला थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात चोर के खिलाफ उसके सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी साढ़े तीन लाख रुपए सहित सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिरगांव निवासी जेठूराम साहू ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। जेठू ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को परिवार के साथ धमतरी गया था। दूसरे दिन वापस आने पर घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अज्ञात चोर आलमारी में रखी नकदी रकम तथा सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गया।

दर्जनों भवन सालों से खाली, खंडहर में हो रहे तब्दील, बारिश आ रही, खतरा बना रहेगा

शहर के सीने पर तने हुए 137 जर्जर भवनों को नोटिस पर नोटिस, नतीजा शून्य, इस बार भी खानापूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरभर में 137 जर्जर भवन से जान-माल का खतरा बना हुआ है। इन खस्ताहाल भवनों को हटाने या जन सुरक्षा के लिहाज से तत्काल मरम्मत कराने संबंधित भवन मालिकों को नगर निगम नोटिस जारी करेगा। फूल चौक, सदानी चौक, हलवाई लेन, जोरापारा ब्रम्हदेव गली, राठौर चौक, शास्त्री मार्केट, मालवीय रोड, अमीन पारा चौक, बैरनबाजार इलाका, बंधवापारा पुरानी बस्ती, डूमरतालाब के पुराना थाना के पास दर्जनभर जर्जर भवन सहित अन्य इलाकों के जर्जर भवन चिन्हांकित हैं। ये वही खस्ताहाल भवन हैं, जिनकी हर साल सूची नगर निगम जारी तो करता है, पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। महज नोटिस चस्पा कर एक बार फिर खानापूर्ति करने की तैयारी है।

दरअसल, बारिश के सीजन को देखते हुए निगम प्रशासन शहर के दस जोन के 70 वार्डो में ऐसे जर्जर भवन को नोटिस जारी करने जा रहा है, जिनसे बारिश के सीजन में आम जनता को जान-माल के नुकसान का अंदेशा बना हुआ है। समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो तेज बारिश में खंडहर हो रहे जर्जर भवन से अनहोनी भी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक नगर निगम के दस जोन कमिश्नरी ने करीब 137 जर्जर भवनों की सूची तैयार की है। इसमें ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

जर्जर भवन चिन्हांकित वाले प्रमुख इलाके

फूल चौक के पास, सदर बाजार का शदाणी चौक एरिया, हलवाई लेन, बांसटाल शास्त्री मार्केट क्षेत्र, मालवीय रोड, बैजनाथ पारा इलाका, अमीनपारा चौक, बैरनबाजार इलाका, बनियापारा पुरानी बस्ती क्षेत्र, बंधवापारा, मंगलबाजार क्षेत्र आमापारा, राठौर चौक, विरदी गली, नहरपारा, शीतलापारा राजातालाब, डूमरतालाब पुराना थाना के पास वाला क्षेत्र, जहां 11 जर्जर भवन सूचीबद्ध हैं।

जोन 6 में 36 और जोन 8 में 24 भवन जर्जर की सूची में

जोनवार जर्जर भवन इस तरह

जोन क्रमांक	जर्जर भवन की संख्या
खमतराई जोन 1	10
फाफाडीह जोन 2	8
शंकरनगर जोन 3	9
मोतीबाग पानी टंकी जोन 4	24
ईदगाहभाठा पानी टंकी जोन 5	12
भाठागांव जोन 6	36
समता कालोनी जोन 7	14
महोबाबाजार जोन 8	24
मोवा थाना के पास जोन 9	निरंक
अमलीडीह जोन 10	निरंक
कुल जर्जर भवनों की संख्या	137

जोन से जारी होगा नोटिस

निगम के 10 जोन में सूचीबद्ध जर्जर भवनों के संबंधित भवन मालिकों को संबंधित जोन से नोटिस जारी किया जायेगा। जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जर्जर भवनों को हटाने या सुरक्षा के लिहाज से तत्काल मरम्मत कराने कहा जाएगा।

- आभाष मिश्रा, नगर निवेशक नगर निगम रायपुर

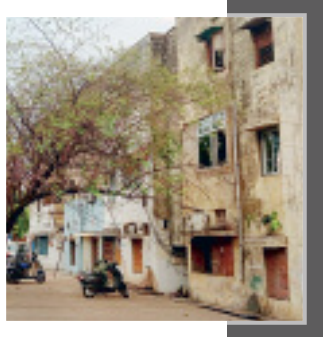

पांच दिन की पुलिस रिमांड पर रहेगा शराब कारोबारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के शराब घोटाला मामले में दिल्ली से गिरफ्तार शराब कारोबारी विजय भाटिया की कोर्ट ने पांच दिनों की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है। शराब कारोबारी को ईओडब्लू की टीम ने रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। कारोबारी दो साल से फरार चल रहा था। शराब घोटाला के आरोप में गिरफ्तार किए गए भिलाई के शराब कारोबारी दो साल से फरार चल रहा था। ईओडब्लू के स्पेशल जज के अवकाश पर होने की वजह से उसे पल्लवी तिवारी की कोर्ट में पेश किया गया। रविवार को अवकाश होने की वजह से अवकाशकालीन कोर्ट ने भाटिया को जेल दाखिल करने के फैसला सुनाया था। कारोबारी को गिरफ्तार करने के पूर्व ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने रविवार को कारोबारी से जुड़ी भिलाई स्थित कंपनी, घर सहित आठ स्थानों पर रविवार को छापे की कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है, कारोबारी अपने परिवार के साथ विदेश टूर पर जाने की तैयारी कर रहा था, इस दौरान ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

- एक दिन पूर्व ईओडब्लू ने विजय भाटिया को दिल्ली से किया था गिरफ्तार

एक आरोपी अब भी फरार

शराब घोटाला के आरोप में ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम अब तक एक दर्जन अफसर, कारोबारियों को गिरफ्तार कर चुकी है। विकास उर्फ सुब्बू अब तक फरार चल रहा है। घोटाले के आरोप में जिन लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है, उनमें प्रमुख रूप से पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, आईएएस अनिल टूटेजा, अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, दिलीप पाण्डेय, अरुण पति त्रिपाठी, दीपक द्वारी, अरविंद सिंह, अनुराग सिंह, नितेश पुरोहित, अनुराग द्विवेदी, सुनील दत्त के नाम शामिल हैं।

दो दिन पूर्व पुरानी रंजिश पर रेस्टोरेंट के बाहर प्रापर्टी डीलर की डंडे से की थी पिटाई

रोहित तोमर और उसके बाउंसर के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा थाने की पुलिस ने प्रापर्टी डीलर की शिकायत पर हिस्ट्रीशीटर बदमाश रोहित तोमर और उसके बाउंसर के खिलाफ मारपीट करने का पराध दर्ज किया है। प्रापर्टी डीलर ने रोहित के खिलाफ आपसी रंजिश पर थाने में मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वीआईपी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट से खाना खाकर निकलने के बाद पार्किंग में रोहित और उसके बाउंसर ने प्रापर्टी डीलर के साथ मारपीट की थी।

पुलिस के अनुसार सड्डू कैपिटल सिटी फेस-1 निवासी दसमीत चावला ने मारपीट करने की ⏭शेष पेज 13 पर

जानकारी जुटाई जा रही

रोहित किन-किन मामलों में जमानत पर है, उस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। रोहित जिन मामलों में जमानत पर है, उसका जमानत आवेदन रद्द करने कोर्ट में आवेदन पेश करने की तैयारी की जा रही है।

- कीर्तन राठौर, एएसपी ग्रामीण

प्रापर्टी डीलिंग के विवाद पर मारपीट

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक दसमीत के साथ रोहित तोमर का प्रापर्टी डीलिंग की बात को लेकर विवाद था। उसी विवाद के कारण रोहित ने अपने बाउंसर के साथ मिलकर दसमीत के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। हालांकि थाने में दसमीत ने पुलिस को विवाद के कारणों का उल्लेख नहीं किया है। आपसी रंजिश पर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। रोहित ब्याज का काम करने के साथ ही प्रापर्टी डीलिंग का भी काम करता है।

दो साल फ्लैट का पजेशन नहीं दिया, प्रमोटर को रकम लौटाने का आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक अहम फैसला सुनाया है। रेरा ने आशीर्वाद अपार्टमेंट परियोजना (कोहका, जिला दुर्ग) से जुड़े एक मामले में प्रमोटर को निर्देश दिया है कि वह आवंटी को 28.71 लाख रुपये की राशि ब्याज सहित तत्काल लौटाए।

यह मामला उस समय प्रकाश में आया जब यह पाया गया कि आवंटी और प्रमोटर के बीच अनुबंध होने के दो साल बाद भी फ्लैट का पजेशन नहीं दिया गया। निर्माण कार्य लंबे समय तक अधूरा रहा, जिससे आवंटी को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेरा के आदेशानुसार, प्रमोटर द्वारा मूलधन 23 लाख 71 हजार रुपये और उस पर 5 लाख रुपये ब्याज सहित कुल 28 लाख 71 हजार रुपये की राशि लौटाई जाएगी। प्राधिकरण ⏭शेष पेज 13 पर

सिर्फ बौछारें... अगले पांच दिनों तक भारी बारिश नहीं सताएगी उमस भरी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में रिकॉर्ड समय में एंट्री करने वाला मानसून दंतेवाड़ा में ही अटक गया है। मानसूनी हवा के कमजोर होने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है। आने वाले पांच दिनों तक प्रदेश में भारी या तेज बारिश जैसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होगी। अधिकतर स्थानों में हल्के बादल छाए रहेंगे। केवल हल्की बौछारें ही इस दौरान पूरे प्रदेश में पड़ेंगी। कई स्थानों पर इस दौरान अंधड़ चल सकता है। कुछ स्थानों के लिए वज्रपात की चेतावनी भी मौसम विभाग ने जारी की है। अगले पांच दिनों तक तापमान में 2 से 3 डिग्री तक वृद्धि होगी। इस दौरान उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह मानसून के दंतेवाड़ा आने के साथ ही प्रदेश में जल्द मानसून आगमन का रिकॉर्ड टूटा था।

- बंगाल की खाड़ी में अगले सप्ताह बनेगा सिस्टम, इसके बाद बढ़ेगी मानसूनी गतिविधियां

अगले सप्ताह तक इंतजार

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में अगले सप्ताह सिस्टम बनने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से मानसूनी हवा आगे बढ़ेगी और प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी मानसून कवर करेगा। 39.4 डिग्री के साथ सोमवार को बिलासपुर सर्वाधिक गर्म रहा। सबसे कम तापमान 23 डिग्री जगदलपुर और राजनांदगांव में दर्ज हुआ। रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.6 डिग्री कम 37.8 डिग्री दर्ज हुआ। इसी तरह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.7 डिग्री कम 25.2 डिग्री दर्ज किया गया। एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को आकाश के आंशिक मेघमय रहने और मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। कुछ स्थानों पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

चांदी ने भी तोड़ा रिकार्ड, प्रति किलो दाम 102600 रुपए

दस ग्राम सोने के दाम पहली बार एक लाख पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोने की कीमत ने पहली बार एक लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। सोमवार को जब बाजार खुला, तो सोने की कीमत एक लाख तीन सौ रुपए खुली। इसके पहले 21 अप्रैल को राजधानी रायपुर में सोने के दाम जीएसटी के साथ एक लाख रुपए थी। इसके बाद मई में सोने की कीमत कम हो गई। अब जून में कीमत एक लाख के पार हो गई है। इसी के साथ चांदी की कीमत एक बार फिर से एक लाख के पार होकर 102600 हो गई है।

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया, सोने और चांदी के भाव में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण लगातार बढ़त हो रही है। श्री मालू ने बताया कि कल यूक्रेन द्वारा रूस पर बड़ा हमला किया गया और यह भी दावा किया गया की यूकेन को अत्यधिक क्षति पहुंचाई गई है इसके साथ ही आज सवेरे रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया और रूस ने भी दावा किया कि उसके हमले से यूक्रेन को बड़ा नुकसान हुआ है। इस युद्ध के लंबे चलने एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनिश्चिता के कारण सोने और चांदी के भाव में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई। सोना एक माह में 3700 प्रति 10 ग्राम एवं चांदी में 6400 प्रति ग्राम की वृद्धि हुई है।

हरिभूमि फॉलोअप

नए साल में 21300 बढ़े दाम

नए साल में अब तक सोने के दाम 21300 रुपए बढ़े हैं, यह अब तक रिकॉर्ड है। इसके पहले कभी भी इतने कम समय में इतने दाम नहीं बढ़े हैं। 31 दिसंबर 2024 को कीमत 78400 रुपए थी, 1 जनवरी को कीमत 79 हजार रही। 7 जनवरी को कीमत 80 हजार पहुंची। इसके बाद एक सप्ताह में कीमत 81 हजार के पार हो गई। फिर एक सप्ताह के बाद कीमत 82 हजारी हुई और अंतिम सप्ताह में पहले कीमत 83 हजारी हुई और फिर माह के अंतिम दिन 31 जनवरी को कीमत 84150 रही। फरवरी में करीब पांच हजार दाम बढ़े और कीमत 89 हजार तक गई। इसके बाद कीमत में कमी आई और फिर मार्च में कीमत में तेजी आती चली गई। मार्च में माह के अंतिम दिन कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया और कीमत 93 हजार के भी पार हो गई। इसके बाद अप्रैल में पहली बार कीमत एक लाख तक पहुंची। इसके बाद मई में कीमत कम हो गई। लेकिन अब फिर से कीमत बढ़ते हुए जून से पहले सप्ताह में एक लाख के पार हो गई है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

तिल्दा सहकारी समिति में खाद-बीज वितरण शुरू, किसानों की उमड़ी भीड़

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के सहकारी समिति में इन दिनों नए किसानों के पंजीयन के साथ-साथ खाद बीज देने का कार्य चल रहा है, जहां पर भारी संख्या में कृषक उपस्थित होकर नया पंजीयन करा रहे हैं। वहीं खाद बीज भी यहां पर उपलब्ध है, जिसके लिए प्रक्रिया के तहत किसान धान खाद बीज आदि का उठाव कर रहे हैं। समिति के प्रबंधक भुवन साहू ने बताया की धान के विभिन्न प्रकार के बीज सहित खाद उपलब्ध है और किसान आकर अपने-अपने कृषि कार्य अनुसार खाद बीज का उठाव कर रहे हैं।

अनदेखी : आदेश के बाद भी एफआईआर नहीं की

पचरी खरीदी केंद्र से 10 लाख का धान गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरोरा

जिला सहकारी बैंक खरोरा के अधीनस्थ प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पचरी में धान खरीदी वर्ष 2024-25 में 425.22 क्विंटल धान गायब होना पाया गया हैं, जिसका बाजार मूल्य लगभग 10 लाख आंका गया हैं।

वर्ष 2024-25 में पचरी समिति में 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक किसानों से 54073.20 क्विंटल धान खरीदी की गई और इस वर्ष 3 अप्रैल तक मिलर्स द्वारा 53647.98 क्विंटल धान का उठाव किये जाने के बाद 425.22 क्विंटल धान कम पायी गई। इसकी जांच सहकारिता विस्तार अधिकारी शशांक बल्लेवार द्वारा पूरी कर 17 अप्रैल को कार्रवाई हेतु जिला सहकारी बैंक खरोरा के ब्रांच मैनेजर भरत साहू को सौंप दिया गया, लेकिन लगभग डेढ़ माह बाद भी जांच रिपोर्ट के अनुसार समिति प्रबंधक कमल नारायण कोसले को कार्यमुक्त करने और धान गायब पर थाना में प्राथमिकी दर्ज किये जाने की आवश्यकता बताये जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जाना बड़े अधिकारियों की संलिप्त को जाहिर करता हैं।

ज्ञात को हो कि खरोरा ब्रांच के अंतर्गत 14 समितियों द्वारा धान खरीदी की जाती हैं, जिसमें 11 समितियों में धान खरीदी और मिलर्स द्वारा उठाव किये जाने पर बराबर पाया गया, लेकिन 3 समितियों में धान कम पाया गया।

अधिकारियों ने पल्ला झाड़ा

जिला सहकारी बैंक खरोरा के ब्रांच मैंनेजर भरत साहू ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा की मैंने प्राधिकृत अधिकारी को कार्रवाई के लिए लेटर जारी कर दिया है। इस संदर्भ मे मनोनीत प्राधिकृत अधिकारी दाऊलाल वर्मा ने पल्ला झाड़ते हुए कहा की एफआईआर करवाना और समिति प्रबंधक को बर्खास्त करने का अधिकार भरत साहू को है।

कार्रवाई जरूरी

उच्च अधिकारियों के सरंक्षण में समिति प्रबंधक द्वारा इस भष्ट्राचार को अंजाम दिया गया, जो सीधा सीधा चोरी हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, नहीं तो सड़क की लड़ाई लड़ी जायेगी।

-अभिषेक वर्मा, अध्यक्ष
जनपद पंचयत तिल्दा सरपंच संघ

मैने जांच रिपोर्ट सहकारी बैंक में दी

मैंने जांच कर रिपोर्ट जिला सहकारी बैंक खरोरा शाखा को दे दी है, कार्रवाई करना उनकी जवाबदारी है।

-शशांक बल्लेवार
सहकारिता विस्तार अधिकारी

सतनामी समाज का प्रदेश स्तरीय चुनाव 29 जून को

सिलयारी। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश प्रबंधकारिणी समिति का चुनाव 29 जून को होगा। प्रदेश स्तरीय निर्वाचन 25 पदों के लिए किया जाएगा। जिसमे एक अध्यक्ष ,चार उपाध्यक्ष एवं एक महासचिव एक कोषाध्यक्ष, एक सहसचिव, एक मीडिया प्रभारी तथा एक प्रवक्ता सहित पंद्रह कार्यकारिणी सदस्य चुने जाएंगे। साथ ही कुछ पदों को महिलाओं के लिए आरक्षित भी रखा गया है। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश प्रबंधकारिणी के चुनाव हेतु के एल रवि को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी अधिकारी के रूप में श्री एस आर बांधे और केडी सोनवानी तथा सहायक के रूप में कृष्णा कोशले को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन अधिकारी केएल रवि ने बताया कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रबंधकारिणी की बैठक गत 25 मई 2025 में लिए गए निर्णय अनुसार यह निर्वाचन 29 जून को संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 31 मई को सुबह 11 बजे किया गया है। दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि तीन जून को शाम 4 बजे तक निर्धारित कि गई है तथा जिसका निराकरण चार जून को सुबह 11 बजे से किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पांच जून को सुबह 11 बजे किया जाएगा।

शहीद स्मारक चौक बनाने पूर्व सैनिकों ने सौंपा ज्ञापन

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों ने सोमवार तहसील कार्यालय एवं नगर पालिका में अलग-अलग जाकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की गई है कि तिल्दा खरोरा मार्ग पर साईं धाम चौक अग्रवाल होंडा के पास एक शहीद स्मारक स्थल बनाया जाए। भूतपूर्व सैनिकों ने कहा है कि उनकी संख्या लगभग 150 है, साथ ही मातृ शक्तियां भी है। किसी भी कार्यक्रम के लिए उन्हें दिक्कतें होती है। शहीद स्मारक बन जाने से सभी कार्यक्रम वहीं किए जाएंगे, जिससे लोगों को देश के प्रति भी एक अलग ही भावना जागृत होगी। शहीद स्मारक होने से कई तरह की दिक्कतों से मुक्ति भी मिलेगी। ज्ञापन में कहा है की अतिशीघ्र इसका निर्माण तहसील प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन की देखरेख में होना चाहिए। भूतपूर्व सैनिकों ने कहा है कि चौक पर एक शहीद स्मारक बना दिया जाए। जिससे भूतपूर्व सैनिकों को किसी भी तरह के कार्यक्रम में कोई दिक्कत नहीं होगी। इस अवसर पर आज भूतपूर्व सैनिक अध्यक्ष जगदीश यादव, उपाध्यक्ष महेश वर्मा, रवि चौबे, कोषाध्यक्ष विजय पासी, युगल किशोर यादव, शत्रुध्न यादव, आशिफ अली, राजेंद्र कुमार, चंद्रशेखर वर्मा, अनिल वर्मा, रामकुमार साहू, राधेश्याम यादव आदि उपस्थित थे।

अहिल्या बाई होल्कर की मनाई गई 300वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग द्वारा लोकमाता अहिल्या देवी होल्कर की त्रि शताब्दी जन्मोत्सव मनाई गई। योगासन शाखा अपने नित्य दिनचर्या विभिन्न आसन, प्राणायाम, ध्यान योग एवं संघ प्रार्थना के पश्चात मुख्य अतिथि सतीशचंद्र अग्रवाल एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष विनोद गुप्ता द्वारा देवी अहिल्या बाई होल्कर, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एवं गुरु जी सदाशिव गोलवरकर की छाया चित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि देवी अहिल्या बाई होल्कर धैर्य संयम की प्रतिमूर्ति थी। वे भगवान शिव की अनन्य भक्त थी। कर्तव्य पथ पर निष्ठा रखते हुए उन्होंने जल संरक्षण, पर्यावरण विकास जैसे अनेक कार्य किए। वही विनोद गुप्ता ने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर ने बचपन से अंत तक दुख कष्ट सहन की, इसलिए वे निरन्तर आगे बढ़ती रही। इस दौरान शिव कुमार गुप्ता द्वारा सुभाषित एवं अमिताभ अग्रवाल द्वारा अमृत वचन का वाचन किया गया। इस अवसर पर बृजेश अग्रवाल, अभिनेष अग्रवाल, होरी गुप्ता, ओम गुप्ता, बलराम साहू, गोपाल पाल, शंकर पाल, विनय पटेल एवं रामकुमार कंसारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त अशोक कुमार ठाकुर द्वारा किया गया।

अहिल्या बाई होल्कर जयंती पर गड़रिया समाज में दिखा उत्साह

आरंग। गडरिया (पाल धनकर) समाज महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा आरंग राज द्वारा महारानी अहिल्या बाईं होल्कर के 300वी जन्म जयंती उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के महिलाओं द्वारा नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो मां शीतला मंदिर चौक से निकल कर नगर के प्रमुख मार्गों से होते पुनः मां शीतला मंदिर चौक में सम्पन्न हुआ। चौक में आयोजित मंचीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन में कर्तव्य, सादगी, और धर्म के प्रति समर्पण, राजनितिक कुशलता एवं अद्वितीय रण कौशल को स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिलन धनकर ने की। मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब समाज के मांग पर पाल समाज भवन के बाउंड्रीवाल, टीन शेड निर्माण तथा अहिल्यादेवी चौक निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्रों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर भूतपूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, अशोक बजाज, डॉ. संदीप जैन, श्याम कुमार नारंग, केके भारद्वाज, अशोक चंद्राकर, गणेश साहू, पार्षद संतोष लोधी, नरेन्द्र लोधी, उमाकांत यादव, पार्षद प्रतिनिधि विक्रम परमार, राकेश सोनकर, राकेश शर्मा, खिलेश धुरंधर, वेदराम खूंटे, टिकेश्वर गीलहरे, सोहन, लक्ष्मण पाल, उत्तम पाल, राधे श्याम पाल, सुमन, कामता, शंकर, राहुल, सुदामा पाल, केशव, हरिपाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पाल समाज एवं कार्यकर्तागण सम्मिलित हुए।

फ्लाईओवर निर्माण की गति धीमी लोग परेशान, यातयात की समस्या बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

नवा रायपुर से लगे नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद, मुख्य चौक स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.53 पर निर्माणाधीन फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य अत्यधिक धीमी गति से चलने के कारण क्षेत्रवासियों को अत्यधिक भीड़-भाड़ एवं यातायात संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है, निर्माणाधीन स्थल पर दुर्घटनाएं घटित हो रही। उक्त ब्रिज निर्माण कार्य विगत डेढ़ से दो वर्षों से भी अधिक समय से संचालित है किंतु अबतक अधूरा/अपूर्ण निर्माण ही बन पाया है,जिसके चलते क्षेत्र के रहवासियों को सड़क पार करने में लंबा घुमाऊंदार रास्ता तय कर एक छोर से दूसरे छोर तक जाना पड़ रहा है,तथा ब्रिज के बीचों बीच रास्ता अबतक नहीं खोला गया है, जिस कारण लोगों को लंबा, घुमाउदार व बदहाल सड़क से घूमकर एक छोर से दूसरे छोर जानापड़ता है, जो परेशानी का सबब बन गया। उक्त निर्माणाधीन ब्रिज जोकि नगर के मुख्य चौक पर बनाया जा रहा। जहां से होकर रायपुर से वेस्ट बंगाल कि लाइन गाड़ियां, रेलवे,मोनेट,जिंदल तथा ऑयल डिपो,एवं वेयरहाउस व एफ.सी.आई.गोडाउन हेतु चल रहे भारी वाहनों का आवागमन है। इसके अलावा रायपुर महासमुंद की बसे, लोकल ऑटो, सिटी बस इत्यादि के लगातार चलने के कारण उक्त निर्माणाधीन स्थल पर जबरदस्त ट्रैफिक जाम कि स्थिति बनी रहती है। वर्तमान में ब्रिज का मुख्य भाग लगभग बनकर रेडी है। जिसे देखते हुए ब्रिज के नीचे बीचों-बीच लोगो के आवागमन हेतु रास्ता खोल दिया जाना सुलभ होगा। जिससे लोगों को थोड़ी बहुत राहत मिल सकेगी, परंतु अब तक ऐसा न कर लोगों को घुमाउदार सड़क पार कर आना-जाना पड़ रहा है जो लोगो के लिए काफी सिरदर्द का बन गया है। निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के दोनों किनारे आवागमन हेतु निर्मित सड़क इतना ज्यादा जर्जर,एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उस एक किलोमीटर के दूरी को पार करना मानो जंग लड़ना जैसा अहसास कराता है, उक्त सड़क के टूटे एवं बदहाल स्थिति में होने के कारण लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे है और यह सब देखते हुए भी ठेकेदार एवं संबंधित कर्मचारी द्वारा कोई मेंटेनेंस अथवा मरम्मद नहीं कराया जा रहा।

धूल, गड्ढे और जर्जर रास्तों से जूझ रहे राहगीर

निर्माणाधीन फ्लाई ओवर मंदिर हसौद निकाय स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 के मुख्य चौक पर बनाया जा रहा है। जहां से प्रतिदिन शासन प्रशासन के बड़े नेता मंत्री एवं अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है किंतु इस बदहाल स्थिति पर किसी ने कोई सकारात्मक कार्यवाही उचित कदम नहीं उठाया। बल्कि जवाबदार अधिकारी कर्मचारी एवं शासन के लोग सभी मुकबधिर होकर इस बदहाल एवं बत्तर रास्ते से गुजर रहे है। जिस ओर क्षेत्रीय पार्षद अधिवक्ता अनुज मिश्रा ने जिलाधीश महोदय रायपुर एवं परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग भारत सरकार को पत्र लिखकर अवगत कराया है और उनसे इस विषय में निवेदन कर प्रार्थना किए है कि राजधानी रायपुर से लगे नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद स्थित मुख्य चौक पर निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के बहुत ही धीमी गति से निर्माण कराएं जाने एवं निर्माण स्थल पर अत्यधिक धूल, प्रदूषण, आवागम हेतु टूटी-फूटी सड़क, एक छोर से दूसरे छोर तक सड़क पार करने में अत्यधिक लंबा घुमाऊंदार बदहाल व्यवस्था एवं गुणवत्ताहीन निर्माण के तथा निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के बीचों बीच लोगो के आवागमन हेतु रास्ता खोले जाने के कि मांग की।

सीआरपीएफ कैंप भिलाई में मनाया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

आरंग। शनिवार को कंपोजिट हास्पीटल सीआरपीएफ कैंप भिलाई में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसमें बालको हास्पीटल रायपुर से कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि राय ने 44 लोगों की कैंसर जांच की। साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से लोगों को कैंसर होने के कारणों, लक्षण व इसके बचाव के लिए प्रेरित किया। साथ ही डाक्टरों ने तंबाकू के बढ़ते सेवन व दुष्प्रभाव पर चिंता जताते हुए कहा वर्तमान में युवाओं के साथ-साथ बच्चों में भी गुटका, तंबाकू, धूम्रपान का सेवन देखा जा रहा है, जो कि चिंताजनक विषय है। इसलिए लोगों में जनजागरण आवश्यक है। हमें तंबाकू, गुटका, धूम्रपान से बचने के सभी विकल्पों को अपनाना होगा। इस अवसर पर डीआईजी मेडिकल डॉ. दुर्गा भवानी राजनाला, डॉ. राजेश गर्ग कमांडेंट मेडीकल, डा. मनीषा गर्ग, कमांडेंट मेडीकल, डॉ. शालिनी सीडीएस, डॉ. इंदु वशिष्ठ एमओ, डॉ. देवनारायण एमओ सहित बड़ी संख्या में सीआरपीएफ मेडीकल स्टाफ व ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

पूर्व सरपंच पर एफआईआर की मांग ग्रामीणों ने थाने में किया प्रदर्शन

तिल्दा नेवरा। तिल्दा ब्लॉक के समीपस्थ ग्राम पंचायत अल्दा में एक प्लांट के जनसुनवाई के बाद मामला थमने का नाम नहीं लिया ले रहा है। आज बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष व महिलाएं थाना पहुंचे और यहां पर ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में गांव के पूर्व सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। काफी देर तक ग्रामीण थाने में रहे, जहां एसडीएम आशुतोष देवांगन भी पहुंचे थे। एसडीम आशुतोष देवांगन एवं नेवरा थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह श्याम ने ग्रामीणों को समझाइश दी। लिखित आश्वाशन दिया गया कि एक सप्ताह के अंदर मामले पर कार्रवाई किया जाएगा। नियमानुसार जांच कार्यवाई की जानकारी ग्रामीणों को लिखित में दी गई। जिसके बाद ही ग्रामीण शांत हुए और फिर वापस लौटे। इस बीच राष्ट्रीय मानव अधिकार ब्यूरो के पीआरओ सुरेंद्र यादव सहित विनय गुप्ता, सपना किशोर भी थाने उपस्थित थे। वही सुरेंद्र यादव द्वारा भी ग्रामीणों की को समझाइए दी गई एवं उन्होंने कहा कि वह हमेशा ग्रामीणों के साथ खड़े हैं और एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई नहीं हुई तो वह ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहेंगे।

चंदखुरी हाईस्कूल भवन के स्थानांतरण का विरोध पूरा क्षेत्र रहा बंद, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चंदखुरी। चंदखुरी फार्म हाईस्कूल का नवीन बिल्डिंग जो कि पूर्व में चंदखुरी फार्म के हाईस्कूल परिसर में बनना था उसे चंदखुरी बस्ती गौठान के आगे सुनसान क्षेत्र में बनाने की तैयारी चल रही हैं। जिसके विरोध में पूर्ण चंदखुरी फार्म आज बंद रहा एवं ज्ञात हो कि आस-पास के अनेक ग्राम पंचायत के बच्चे आवागमन के सुलभ साधन एवं सुरक्षित वातावरण के कारण लगभग 1500 बच्चे अध्ययनरत हैं। स्थान परिवर्तित होने से भविष्य में बच्चों की शिक्षा पर बुरा असर पड़ेगा। फुटकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष मोहितराम वर्मा, पूर्व जनपद अध्यक्ष दिनेश ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि हेमंत कश्यप, सरपंच मुनगी गजेन्द्र यादव, सरपंच कठिया प्रतिनिधि रूपेन्द्र वर्मा, सरपंच सकरी प्रतिनिधि निखिल वर्मा, नगपुरा सरपंच शशांक वर्मा, अमेरी सरपंच सुरज शर्मा, जुगेशर सरपंच प्रतिनिधि रूपेश जांगड़े एवं उपसरपंच जीतू देवांगन, बड़गांव सरपंच प्रतिनिधि सुरेश मलहोत्रा, टेकारी सरपंच प्रतिनिधि नन्दा यादव, पचेड़ा सरपंच प्रतिनिधि फरीद कुरैशी, मुरेठी सरपंच प्रतिनिधि बृजलाल यादव, पार्षदगण संतोष वर्मा, हेमन्त वर्मा, लक्ष्मीचंद देवांगन, अम्बे प्रमोद वर्मा एवं भारी संख्या में व्यापारीगण रायपुर कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर साहब को ज्ञापन सौंपे।

आम सूचना

ग्राम शंकरनगर (भावना नगर), प.ह.नं. 110 / 63 स्थित भूमि के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता ए.के.शर्मा (अश्वनी कुमार शर्मा) पिता एम.एल.शर्मा (मदन लाल शर्मा) एच.यू.एफ. कर्ता निवासी बी- 01/201 ए.टी. क्लासीक विधानसभा रोड अशोका रतन के पास शंकर नगर रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 720/107 (शमिल खसरा 1317/103) का भाग रकबा 2000 वर्गफुट भूमि ग्राम शंकरनगर (भावना नगर), प.ह.नं. 110 / 63, रा.नि.मं. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित है, को क्रय करने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन करा लिया है बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त भूमि के सौदे / विक्रय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा। बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी।

सो सूचना जाने।

दिनांक 02/06/2025
स्थान- रायपुर छ.ग.

भवदीय
डी.पी. वर्मा (अधिवक्ता)
पता- राज टॉकिज के पास होटल लक्ष रायपुर (छ.ग.) मो.नं. 97707-88855

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि द्वारा दीनदयाल आवास योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित स्वतंत्र भवन एल.आई.जी. 318, को श्री गणेश राम साहू पिता श्री मनी राम साहू एवं श्री परमानंद धीवर पिता स्व. श्री विजय कुमार धीवर के सयुक्त नाम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 10.10.2014 को लीजडीड (पट्टा-विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान श्री गणेश राम साहू पिता श्री मनी राम साहू, निवासी :- ग्राम नायकबांधा पो. आ. थाना व तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्री परमानंद धीवर पिता स्व. श्री विजय कुमार धीवर, निवासी:- ग्राम सण्डी पों. आ. भानसोज थाना व तह. मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) को हकत्याग करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः दीनदयाल आवास योजना आरंग जिला रायपुर में स्थित स्वतंत्र भवन एल.आई.जी. 318, के हकत्याग के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय रा.नि.मं. रायपुर-14 (बोरियाखुर्द), तहसील-रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 02/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकुमार साहू पिता देवलराम साहू निवासी धमतरी (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-14 बोरियाखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 386/5 रकबा क्रमशः 0.0190 हे. कुल खसरा 01 रकबा 0.0190 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 16/05/2025 के परिपालन में दिनांक 13/06/2025 को समय अपरान्ह 3.00 PM बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नंबर 71 के बोरियाखुर्द स्थित पटवारी/राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-14 (बोरियाखुर्द)

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा
मामले की श्रेणीः राजस्व
संदर्भः- जिला - रायपुर तहसील-धरसीवा प.ह.न. -00032 तेन्दुआ ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202425440721300037

ईश्तहार

तहसील धरसीवा के प.ह.न. 00032 के अंतर्गत ग्राम तेन्दुआ के वर्तमान भूमिस्वामी पवनेश्वर साहू पिता/पति- पुनाराम पता-सा देह योगेश कुमार पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह राम मुरारी साहू पिता / पति - पुनाराम पता-सा देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 243/8 (0.0570) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता राम मुरारी साहू पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह, योगेश कुमार पिता/पति-पुनाराम पता-सा देह पवनेश्वर साहू पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/06/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार धरसीवा पर की जावेगी । उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर **तहसीलदारः** Babulal kurrey
उप तहसील धरसींवा

आम सूचना

वाके मौजा रायपुरा, प.ह.नं. 025 (पुराना 104) स्थित भूमि खसरा नंबर 318/1, 318/3, 320/1, 318/15, 320/2, 318/16, 320/3 के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार के स्व. पिता सरदार मंगल सिंह सलूजा के नाम से ग्राम रायपुरा में मूलभूमि खसरा नंबर 318/1, 318/3 एवं 320 कुल रकबा 2.999 हे. भूमि स्थित थी जिसे उनके द्वारा अपने जीवनकाल में अपने पुत्र जसपाल सिंह, अमरजीत सिंह, वीरेन्द्र सिंह एवं पुत्री जसबीर कौर अरोरा, अरविन्दर कौर अरोरा एवं रश्मीत कौर छाबड़ा को संयुक्त रूप से दिनांक 29/01/2013 को निष्पादित वसीयतनामा के माध्यम से प्रदान किया गया था तथा हमारे पक्षकार के पिता सरदार मंगल सिह सलूजा की मृत्यु दिनांक 02/02/2017 को होने के पश्चात उपरोक्त वसीयतनामा प्रभावशील हो गया है। हमारे पक्षकार एवं उनके अन्य भाई-बहनों को वसीयतनामा के माध्यम से प्राप्त उपरोक्त भूमि पर हमारे पक्षकार के अन्य भाई अमरजीत सिंह एवं वीरेन्द्र सिंह तथा वीरेन्द्र सिंह की पत्नि चरणजीत कौर के द्वारा राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि पर अपना नाम अवैधानिक एवं विधि विरुद्ध तरीके से दर्ज करवा लिया गया था जिसके संबंध में हमारे पक्षकार के द्वारा एक व्यवहार वाद व्यवहार न्यायालय रायपुर में प्रस्तुत किया गया है जो कि वर्तमान में आकांक्षा बैंक, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर (छ.ग.) के समक्ष समक्ष लंबित है जिसका प्र.क. 178अ/2018 है जो पेशी दिनांक 13/06/2025 के लिए नियत है।

हमारे पक्षकार को ज्ञात हुआ कि ग्राम रायपुरा स्थित उपरोक्त भूमि वर्तमान में राजस्व अभिलेखों पर अमरजीत सिंह, वीरेन्द्र सिंह, चरणजीत कौर का नाम खसरा नंबर 318/1, 318/3, 320/1, 318/15, 318/15, 320/2, 318/16, 320/3 पर दर्ज है उपरोक्त भूमि को इन तीनों व्यक्तियों के द्वारा टुकड़े-टुकड़े में विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है तथा क्रेतागण से इस संबंध में इकरारनामा भी निष्पादित किया गया है।

इस आम सूचना के माध्यम से समस्त क्रेतागण, व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, वित्तीय संस्थान, साहूकार, इत्यादि को सूचित किया जा रहा है कि उपरोक्त भूमियों के संबंध में किसी भी प्रकार से क्रय करने के संबंध में कोई भी प्रकार से कोई संव्यवहार ना करे और ना ही किसी प्रकार से हस्तांतरण के संबंध में संव्यवहार करे क्योंकि क्रेतागण या संव्यवहार करने वाले व्यक्तियों को उपरोक्त भूमि के संबंध में कोई भी हक, स्वत्व एवं आधिपत्य प्राप्त नहीं होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनाक 02/06/2025

भवदीय
कु. प्रवीण अरोरा, नितिन कुमार तिवारी
हरिश कु. साहू, कु. मासुम राठौड,(अधिवक्तागण)
कार्यालय- स्टेशन रोड गुरूद्वारा के पीछे, नहरपारा, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 94252-06299, 94252-06244

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर अटल नगर रायपुर सेक्टर-29 में स्वतंत्र भवन क्रमांक-जूनियर एम.आई.जी.- I/145 को श्री पंचराम खरे पिता स्व.श्री सखा राम खरे, निवासी:- बोरियाकला रायपुर (छ.ग.) के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। श्री पंचराम खरे पिता स्व. श्री सखा राम खर की मृत्यु दिनांक 25.07.2023 को हो गया है। श्रीमती लता रावटे पिता स्व. श्री पंचराम खरे (पति श्री डेमेन्द्र कुमार रावटे) ने अपने पिता श्री पंचराम खरे पिता स्व. श्री सखा राम खरकी मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन को श्रीमती लता रावटे पिता स्व.श्री पंचराम खरे (पति श्री डेमेन्द्र कुमार रावटे) के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र वा रायपुर अटल नगर

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
NMH
24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा का 9 जून से संकल्प से सिद्धि अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आज कार्यशाला में प्रदेशाध्यक्ष किरण देव बताएंगे- क्या-क्या करना है

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने देशभर में 9 जून से संकल्प से सिद्धि अभियान चलाने का फैसला किया है। इस कार्यक्रम में क्या-क्या होना है, इसको लेकर प्रदेश भाजपा संगठन ने एक कार्यशाला रखी है। इसमें भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और संगठन महामंत्री पवन साय बताएंगे कि कब-कब क्या-क्या करना है। कार्यक्रमों की रूपरेखा के बारे में कार्यशाला में जानकारी दी जाएगी।

भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के विकसित भारत के अमृत काल और सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के गौरवपूर्ण 11 साल पूरे होने पर देशव्यापी सघन अभियान चलाएगी। कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक रजनीश सिंह ने बताया, इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी भाजपा प्रदेश इकाई द्वारा विविध कार्यक्रमों की संरचना की

गई है। इसके लिए समग्र मार्गदर्शन के लिए प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की उपस्थिति में मंगलवार को एकात्म परिसर में प्रदेशस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए 9 जून से 21 जून होने वाले अभियान के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह अभियान विकसित भारत का अमृत काल एवं सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल पर आधारित होगा।

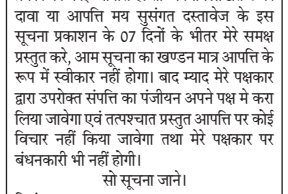

21 जून तक लगातार होंगे कार्यक्रम

श्री सिंह ने बताया, विश्व योग दिवस के निमित्त सभी मंडलों में योग शिविर का आयोजन रखा गया है। ग्राम, वार्ड, शक्ति केन्द्र, बूथ स्तर पर 15 से 17 जून तक प्रत्येक शक्ति केंद्र पर एक चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और शहरों में मोहल्ला चौपाल एवं पंचायत केंद्रों में ग्राम चौपाल का आयोजन होगा। इन कार्यक्रमों में 11 वर्ष की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। आयुष्मान योजना (वय वंदन) में शत-प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण एवं कार्ड वितरण किया जाएगा और लोगों को विकसित भारत का संकल्प दिलाया जाएगा। मोदी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों का साहित्य घर-घर वितरित करेंगे। इन कार्यक्रमों के लिए प्रदेश की राजधानी एवं बड़े नगरों में केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री का प्रवास होगा और जिला स्तर पर प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसदों का प्रवास होगा। मंडल पर जिला पदाधिकारी, विधायक, मेयर, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी और शक्तिकेंद्र पर मंडल स्तर से ऊपर के सभी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि का प्रवास होगा। जिला स्तर पर सेमिनार, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम के अतिरिक्त छात्रों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थाओं को लक्षित कर कार्यक्रम किए जाएंगे और प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

खबर संक्षेप

सीएम से केन्द्रीय मंत्री पासवान ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने श्री पासवान को कोसा वस्त्र एवं बेल मेटल से बने स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। गौरतलब है कि केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे थे।

शालिनी राजपूत आज करेंगी हस्तशिल्प विकास बोर्ड अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत का मंगलवार को छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त

अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण और अभिनंदन समारोह रखा गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। पदभार ग्रहण के 12.30 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साइंस कॉलेज परिसर) में होगा।

कैट टीम ने राज्यपाल से की मुलाकात

रायपुर। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की टीम ने सोमवार को राज्यपाल रमेन डेका से मुलाकात की। इस दौरान एक राष्ट्र - एक चुनाव पर प्रस्ताव समर्थन पत्र का ज्ञापन सौंपा। कैट टीम ने राज्यपाल को अवगत कराया कि देश में विभिन्न राज्यों में अलग-अलग चुनाव होना न केवल विकास में बाधा पहुंचाते हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी कमजोर करते हैं। भारत विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी राज्यों में चुनाव एक ही साथ होने चाहिए। एक देश - एक चुनाव से राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी और लोकतंत्र मजबूत होगा।

निर्यातकों ने मंडी बोर्ड से नियम लचीला करने का आग्रह किया था

गैर बासमती एक्सपोर्टर को मंडी और किसान कल्याण शुल्क से मिलेगी छूट, लेकिन शर्तें करनी होंगी पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के राइस एक्सपोर्टर्स ने राज्य सरकार से निर्यात होने वाले गैर बासमती चावल के निर्यात को लेकर दस्तावेज में लचीचापन अपनाने का आग्रह किया है। इस संबंध में प्रबंध संचालक कृषि मंडी ने निर्देश दिया है कि एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों, राइस मिलर द्वारा गैर बासमती चावल के निर्यात पर मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से छूट के लिए सबसे पहले निर्यातक, राइस मिलर द्वारा संबंधित मंडी समिति में क्रय धान का मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराया जाए तथा निर्यात की स्थिति में एक माह के अंदर शिपिंग बिल, क्रय आदेश प्रस्तुत करने और उसके दो माह के अंदर कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए राज्य का जीएसटी कर, लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति प्रस्तुत करने पर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क से छूट प्रदान की जाएगी।

निर्यात प्रोत्साहन के लिए ये है नियम

राज्य से बाहर गैर बासमति चावल निर्यात के लिए नियम ये है कि प्रदेश के एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों,राईस मिलर द्वारा शिपिंग बिल में कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए छग जीएसटी , लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति और प्रदेश के राईस मिलरों द्वारा चावल निर्यातकों पर अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने के शर्त के अध्यधीन मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से पूर्णतः छूट अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष के लिए दी गई है।

नियार्तकों ने रखी थी ये मांग

द राईस एक्सपोर्टस एसोसिएशन छत्तीसगढ़ मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र लिखकर कय धान के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, लदान के लिए बंदरगाह तक परिवहन, लदान पूर्ण होने के बाद शिपिंग बिल, बिल आफ लोडिंग एवं अन्य दस्तावेज में समय लगने तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी निर्यात से संबंधित दस्तावेज की प्रस्तुति एवं भुगतान प्राप्ति के लिए 90 दिनों की मानक समयावधि निर्धारित करने की मांग की थी। इसके साथ ही निर्यातक से स्व-प्रमाणन पत्र लिया जाकर प्रकिया में लचीलापन प्रदाय करने का आग्रह किया था।

मंडी शुल्क जमा करना है अनिवार्य

मंडी एमडी द्वारा इस संबंध में संयुक्त संचालकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कृषि उपज मंडी अधिनियम में यह प्रावधान है कि बगैर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क का भुगतान किए कृषि उपज के विक्रय या प्रसंस्करण, विनिर्माण पर कृषि उपज, प्रसंस्कृत जिंस के बाजार मूल्य के 5 गुना की दर से मंडी शुल्क वसूली योग्य है। मंडी अधिनियम के प्रावधान से यह स्पष्ट है कि निर्यातक को कृषि उपज के विक्रय या प्रसंस्करण, विनिर्माण के पूर्व मंडी शुल्क जमा करना अनिवार्य है।

एक्सपोर्टरों को अब ये करना होगा

राईस एक्सपोर्ट एसोसिएशन के पत्र, कृषि विभाग की अधिसूचना तथा मंडी अधिनियम के प्रावधानों के परिप्रेक्ष्य में मंडी बोर्ड ने निर्देश जारी किया है। एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों, राइस मिलर द्वारा गैर बासमति चावल के निर्यात पर मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से छूट के लिए सबसे पहले निर्यातक, राइस मिलर द्वारा संबंधित मंडी समिति में कय धान का मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराया जाए तथा निर्यात की स्थिति में एक माह के अंदर शिपिंग बिल, क्रय आदेश प्रस्तुत करने और उसके दो माह के अंदर कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए छग जीएसटी, लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति प्रस्तुत करने पर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क से छूट प्रदान की जाए।

एकल लाइसेंस प्रणाली हो खत्म

रायपुर कृषि मंडी के पूर्व सदस्य विजय शर्मा ने इस संबंध में कहा है कि एकल लाइसेंस प्रणाली को समाप्त किया जाना चाहिए। एक्सपोर्ट के चावल पर जनरल छूट दी जानी चाहिए। मंडी शुल्क में छूट देनी चाहिए। ऐसा होने पर देश भर के एक्सपोर्टर यहां आएंगे। वर्तमान में चल रही धान की नीलामी में वे हिस्सा ले सकते हैं।

नकटी में पीएम आवास के मकान तोड़ने नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ ग्रामीणों ने किया विरोध, कांग्रेस ने दिया समर्थन

ग्राम नकटी में पीएम आवास के तहत बने मकानों को हटाने का नोटिस जिला प्रशासन ने दिया है। सम्मानपुर के कब्जाधारियों के समर्थन में जिला कांग्रेस ने इन मकानों को तोड़ने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

राजधानी से लगा हुआ गांव सम्मानपुर नकटी धरसीवां ब्लॉक में गांव के मूल निवासी गांव की ही शासकीय भूमि पर अपना छोटा घर बना के रहने लगे। उक्त भूमि पंचायत द्वारा उनको दिया गया है। जमीन पर गांव के आवासहीन लोगो को प्रधानमंत्री आवास के तहत आबंटित किया गया है। वे वहां 40 वर्षों से हैं। पंचायत द्वारा यहां पानी-बिजली का काम कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक निवास के लिए जमीन आबंटित करना चाहते हैं, इसलिए गरीब बेसहारा लोगों को नोटिस देकर बेदखल करने की तैयारी कर रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने प्रशासन को सचेत करने एवं ग्रामीणों की मांग को मानने आवास को तोड़ने का आदेश निरस्त कर राहत देने की मांग की है। मांगों के समर्थन में पूर्व सांसद छाया वर्मा, पूर्व विधायक अनीता शर्मा,ने तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वालों में पप्पू राजेंद्र बंजारे, भावेश बघेल, घनश्याम वर्मा, दुर्गेश वर्मा, कन्हैया वर्मा, रंजीत गायकवाड़, मनहरन साहू, संतोष पाल, रहमत खान, श्रवण निषाद, मनसा निर्मलकर, रामचंद, लक्ष्मीनाथ साहू, साहू,भागवत लहरी,रवि लहरी कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

धान के नहीं मिल रहे खरीदार, अब मिलरों को मिलिंग के बदले धान देने का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मिलिंग की राशि के बदले मिलरों को धान देने का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रस्तावित किया है। इसके अनुसार, मिलर्स को मिलिंग कार्य के लिए धान दिया जाएगा, न कि पैसा। यह प्रस्ताव उन मिलरों के लिए है, जो अतिरिक्त धान की खरीद करेंगे। राज्य सरकार ने 32 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान नीलामी के माध्यम से बेचने दो दौर की नीलामी पूरी कर ली है। अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण हो पाया है।

राज्य शासन की ओर से यह शर्त भी रखी जा रही है कि मिलर्स जितनी मात्रा में अतिशेष धान खरीदेंगे, उतनी ही मात्रा में उन्हें मिलिंग कार्य के बदले धान दिया जाएगा। प्रदेश में राइस मिलर्स को मिलिंग कार्य के लिए हर साल लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता है। इस तरह 3 हजार करोड़ रुपए कीमत के अतिशेष धान का निराकरण होने की उम्मीद है। बताया गया है कि पिछले दिनों जिला कलेक्टर स्थानीय मिलरों पर नीलामी में भाग लेने का दबाव डाल रहे हैं। बताया गया है कि अब तक नीलामी में जो धान बिका है, उसे राज्य के मिलरों और व्यापरियों ने ही खरीदा है।

20 लाख टन धान की नीलामी शेष

बताया गया है कि प्रदेश में अतिशेष धान के की नीलामी के बाद भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। राइस मिलर्स भी शासन द्वारा निर्धारित विक्रय दर पर धान खरीदने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि अभी तक सिर्फ 12 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी हो पाई है, जबकि इस साल प्रदेश के 82 संग्रहण केन्द्रों में कुल 32 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान की नीलामी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर की जा रही है। 20 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी अभी बाकी है।

5.5 लाख टन धान का उठाव

पूरा धान नहीं बिकने की स्थिति में मानसून के दौरान इसके रखरखाव पर भी अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ेगी। मार्कफेड के मुताबिक प्रदेश में अब तक 10 हजार स्टेक (लगभग 12 लाख मीट्रिक) धान की नीलामी हुई है, इनमें से करीब 5.5 लाख मीट्रिक टन धान का पैसा मार्कफेड के पास आ चुका है और इसका उठाव भी जारी है।

बेस रेट कम करने की मांग

समर्थन मूल्य से कम दर होने के बावजूद धान के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। विक्रय दरें और कम करने की मांग भी उठ रही है। राज्य शासन द्वारा ग्रेड-1 धान (मोटा) नए बोरे में 2100 रुपए व पुराने बोरे में 2050 रुपए प्रति क्विंटल तथा कॉमन धान (मोटा) नए बोरे में 1950 व पुराने बोरे में 1900 रुपए प्रति क्विंटल विक्रय दरें निर्धारित हैं।

मानसून के लिए पॉवर कंपनी के संयंत्रों में भरपूर कोयला

बारिश के कारण बिजली की खपत भी हो जाती है आधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश में इस बार मानसून समय से पहले पहुंच गया है। मानसून में कोयले की खदानों में पानी भरने के कारण कोयले की आपूर्ति नहीं हो पाती। अभी तो बारिश ठीक से हुई भी नहीं है और एसईसीएल की कुसमुंडा की खदान में पानी भरने के कारण कोयले की आपूर्ति प्रभावित हो गई है।

आने वाले समय में जब ज्यादा बारिश होगी, तो कोयले की आपूर्ति और प्रभावित होगी। हमेशा ही मानसून से पहले छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी अपने उत्पादन संयंत्र के लिए कोयले का स्टॉक करती है। पॉवर कंपनी के संयंत्रों में मानसून में कम से कम 15 दिनों का कोयला का स्टॉक रखना जरूरी होता है, लेकिन इस समय संयंत्रों में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है, इसलिए मानसून में परेशानी नहीं होगी। अगर भारी बारिश और झड़ी के कारण 8 से 10 दिनों तक भी कोयले की आपूर्ति प्रभावित रही, तो उत्पादन पर असर नहीं होगा।

वैसे मानसून में बिजली की डिमांड कम रहती है, लेकिन जब बारिश नहीं होती, तो उमस के कारण डिमांड बहुत ज्यादा हो जाती है। पॉवर कंपनी के सभी संयंत्रों में गर्मी के समय भी भरपूर कोयले का स्टॉक रखा गया था। अब मानसून के लिए भी कोयले का पूरा स्टॉक है। हमेशा से मड़वा में कोयले को लेकर परेशानी रहती है, लेकिन इस समय मड़वा में भरपूर कोयले का स्टॉक है। इसी तरह से डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी संयंत्र और कोरबा वेस्ट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। कोरबा वेस्ट में तो कन्वेयर बेल्ट से कोयला आता है, यहां कभी परेशानी नहीं होती।

बारिश में डिमांड रहती है बहुत कम

मानसून के समय बारिश होने के कारण बिजली की डिमांड करीब आधी हो जाती है। इस बार तो गर्मी में डिमांड सात हजार मेगावाट के पार चली गई थी। लेकिन बारिश में यह डिमांड तीन हजार से 35 सौ मेगावाट के आस-पास ही रहेगी। क्योंकि मानसून में न तो एसी, कूलर चलते हैं और न ही कृषि पंप चलते हैं। ऐसे में बिजली की कमी होने का सवाल ही नहीं है। अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। लेकिन उत्पादन हमेशा 25 से 26 सौ मेगावाट होता है। इसी के साथ सेंट्रल सेक्टर का शेयर ही साढ़े तीन हजार मेगावाट है। अगर अपने संयंत्रों में उत्पादन बहुत ज्यादा कम भी हो गया तो सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेकर काम चल जाएगा।

आम सूचना

ग्राम शंकरनगर (भावना नगर), प.ह.नं. 110 / 63 स्थित भूमि के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता ए.के.शर्मा (अश्वनी कुमार शर्मा) पिता एम.एल.शर्मा (मदन लाल शर्मा) एच.यू.एफ. कर्ता निवासी बी- 01/201 ए.टी. क्लासीक विधानसभा रोड अशोका रतन के पास शंकर नगर रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 720/107 (शमिल खसरा 1317/103) का भाग रकबा 2000 वर्गफुट भूमि ग्राम शंकरनगर (भावना नगर), प.ह.नं. 110 / 63, रा.नि.मं. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित है, को क्रय करने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन करा लिया है बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त भूमि के सौदे / विक्रय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा। बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी।

सो सूचना जाने।

दिनांक 02/06/2025
स्थान- रायपुर छ.ग.

भवदीय
डी.पी. वर्मा (अधिवक्ता)
पता- राज टॉकिज के पास होटल लक्ष
रायपुर (छ.ग.) मो.नं. 97707-88855

कार्यालय रा.नि.मं. रायपुर-14 (बोरियाखुर्द), तहसील-रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 02/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकुमार साहू पिता देवलराम साहू निवासी धमतरी (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-14 बोरियाखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 386/5 रकबा क्रमशः 0.0190 हे. कुल खसरा 01 रकबा 0.0190 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 16/05/2025 के परिपालन में दिनांक 13/06/2025 को समय अपरान्ह 3.00 PM बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नंबर 71 के बोरियाखुर्द स्थित पटवारी/राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-14 (बोरियाखुर्द)

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला - रायपुर तहसील-धरसीवा प.ह.न. -00032 तेन्दुआ ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202425440721300037

ईश्तहार

तहसील धरसीवा के प.ह.न. 00032 के अंतर्गत ग्राम तेन्दुआ के वर्तमान भूमिस्वामी पवनेश्वर साहू पिता/पति- पुनाराम पता-सा देह योगेश कुमार पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह राम मुरारी साहू पिता / पति - पुनाराम पता-सा देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 243/8 (0.0570) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता राम मुरारी साहू पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह, योगेश कुमार पिता/पति-पुनाराम पता-सा देह पवनेश्वर साहू पिता/पति - पुनाराम पता-सा देह के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/06/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार धरसीवा पर की जावेगी । उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार: Babulal kurrey
उप तहसील धरसींवा

आम सूचना

वाके मौजा रायपुरा, प.ह.नं. 025 (पुराना 104) स्थित भूमि खसरा नंबर 318/1, 318/3, 320/1, 318/15, 320/2, 318/16, 320/3 के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार के स्व. पिता सरदार मंगल सिंह सलूजा के नाम से ग्राम रायपुरा में मूलभूमि खसरा नंबर 318/1, 318/3 एवं 320 कुल रकबा 2.999 हे. भूमि स्थित थी जिसे उनके द्वारा अपने जीवनकाल में अपने पुत्र जसपाल सिंह, अमरजीत सिंह, वीरेन्द्र सिंह एवं पुत्री जसबीर कौर अरोरा, अरविन्दर कौर अरोरा एवं रश्मीत कौर छाबड़ा को संयुक्त रूप से दिनांक 29/01/2013 को निष्पादित वसीयतनामा के माध्यम से प्रदान किया गया था तथा हमारे पक्षकार के पिता सरदार मंगल सिह सलूजा की मृत्यु दिनांक 02/02/2017 को होने के पश्चात उपरोक्त वसीयतनामा प्रभावशील हो गया है। हमारे पक्षकार एवं उनके अन्य भाई-बहनों को वसीयतनामा के माध्यम से प्राप्त उपरोक्त भूमि पर हमारे पक्षकार के अन्य भाई अमरजीत सिंह एवं वीरेन्द्र सिंह तथा वीरेन्द्र सिंह की पत्नि चरणजीत कौर के द्वारा राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि पर अपना नाम अवैधानिक एवं विधि विरुद्ध तरीके से दर्ज करवा लिया गया था जिसके संबंध में हमारे पक्षकार के द्वारा एक व्यवहार वाद व्यवहार न्यायालय रायपुर में प्रस्तुत किया गया है जो कि वर्तमान में आकांक्षा बैंक, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर (छ.ग.) के समक्ष समक्ष लंबित है जिसका प्र.क. 178अ/2018 है जो पेशी दिनांक 13/06/2025 के लिए नियत है।

हमारे पक्षकार को ज्ञात हुआ कि ग्राम रायपुरा स्थित उपरोक्त भूमि वर्तमान में राजस्व अभिलेखों पर अमरजीत सिंह, वीरेन्द्र सिंह, चरणजीत कौर का नाम खसरा नंबर 318/1, 318/3, 320/1, 318/15, 318/15, 320/2, 318/16, 320/3 पर दर्ज है उपरोक्त भूमि को इन तीनों व्यक्तियों के द्वारा टुकड़े-टुकड़े में विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है तथा क्रेतागण से इस संबंध में इकरारनामा भी निष्पादित किया गया है।

इस आम सूचना के माध्यम से समस्त क्रेतागण, व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, वित्तीय संस्थान, साहूकार, इत्यादि को सूचित किया जा रहा है कि उपरोक्त भूमियों के संबंध में किसी भी प्रकार से क्रय करने के संबंध में कोई भी प्रकार से कोई संव्यवहार ना करे और ना ही किसी प्रकार से हस्तांतरण के संबंध में संव्यवहार करे क्योंकि क्रेतागण या संव्यवहार करने वाले व्यक्तियों को उपरोक्त भूमि के संबंध में कोई भी हक, स्वत्व एवं आधिपत्य प्राप्त नहीं होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 02/06/2025

भवदीय
कु. प्रवीण अरोरा, नितिन कुमार तिवारी
हरिश कु. साहू, कु. मासुम राठौड,(अधिवक्तागण)
कार्यालय- स्टेशन रोड गुरूद्वारा के पीछे, नहरपारा, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 94252-06299, 94252-06244

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर अटल नगर रायपुर सेक्टर-29 में स्वतंत्र भवन क्रमांक-जूनियर एम.आई.जी.- I/145 को श्री पंचराम खरे पिता स्व.श्री सखा राम खरे, निवासी:- बोरियाकला रायपुर (छ.ग.) के नाम स्वविक्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। श्री पंचराम खरे पिता स्व. श्री सखा राम खर की मृत्यु दिनांक 25.07.2023 को हो गया है। श्रीमती लता रावटे पिता स्व. श्री पंचराम खरे (पति श्री डेमेन्द्र कुमार रावटे) ने अपने पिता श्री पंचराम खरे पिता स्व. श्री सखा राम खरकी मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन को श्रीमती लता रावटे पिता स्व.श्री पंचराम खरे (पति श्री डेमेन्द्र कुमार रावटे) के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र वा रायपुर अटल नगर

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
24/7 Emergency Services
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

फीचर इम्पैक्ट

ॐ

भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग

भारती ग्रुप पिछले 28 वर्षों से विभिन्न संकायों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है...

विकसित छत्तीसगढ़ @2047 के लक्ष्य को पाने के लिए भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग शिक्षा, कौशल और नवाचार के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर, नये-नये पाठ्यक्रम संचलित कर युवाओ को उच्च-शिक्षा प्रदान कर रहा है। विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में रहकर कम खर्च में अध्ययन करा रहें हैं, जिससे राज्य के विद्यार्थियों को स्व-रोजगार प्राप्त करने का नव-अवसर मिल रहा है और आगे मिलता रहेगा...

ADMISSION OPEN FOR THE SESSION 2025-26

इंडस्ट्रीयल सेफ्टी में डिप्लोमा कर रोजगार के नए अवसर

भारती विश्वविद्यालय मे बीए, बीकाम, बीएससी डिप्लोमा एवं पीजी कोर्स सेमेस्टर प्रणाली में संचालित किये जा रहे है। विद्यार्थियों का रुझान एवं राज्य में कोर्सेस की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा निती 2020 के सिलेबस को जोड़कर कई नये विषयों मे स्नातक एवं पीजी सेमेस्टर प्रणाली से पढ़ाई प्रारंभ किया गया है। विद्यार्थीयों को सिलेबस के विस्तृत ज्ञान की प्राप्ति एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से इस सेमेस्टर पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया गया है। सेमेस्टर प्रणाली में अध्ययन से IAS, IPS, IES, IFS, IRS आदि अन्य सभी शासकीय परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना सरल होता है।

Law
- B.A. LLB
- LLM
- B.Com LLB
- LLB

Pharmacy
- D. Pharma
- B. Pharma
- M. Pharma
- Ph. D.

Engineering

(Full Time / Part Time)
- M.Tech / B.Tech / Diploma
- CSE • Civil • ET&T
- Mechanical • Electrical
- Artificial • Intelligence
- & Machine Learning

Journalism
- BAJMC
- MAJMC

Library Science
- M.Lib
- B.Lib
- D. Lib

Hotel Management
- BHM
- MHM

Education
- D.El.Ed.
- B.Ed.
- M.Ed.

Film Making
- B.A.
- M.A.

Physical Education
- Bachelor of Physical Education and Sports (B.P.E.S) Eligibility (10+2)
- Masters of Physical Education and Sports (M.P.E.S) Eligibility (B.P.E.S)

Arts/science/commerce
- B.Sc / M.Sc (Forensic Science)
- BBA • MBA
- DCA • BCA • PGDCA
- B.A. (Hons)/M.A (All Subjects)
- B.Com. (Hons) • M.Com.
- DSW • BSW • MSW
- B.Stat • M.Stat
- BRS • MRS
- MPH
- B.Sc (Hons) / M.Sc - All Subject
- Chemistry • Maths • Physics
- Biotechnology • Botony • Zoology
- Microbiology • Computer Science
- IT • Home Science • Multimedia &
- Design • Animation & Visual Effects

Diploma Courses (1year)
- Forensic Science
- Corporate Law
- Yoga Science
- Digital Marketing
- Interior Design
- Nutrition & Dietetics
- Fashion Design
- Cyber Crime
- Multimedia & Graphic Animation

Ph. D. Available in all Subject

Afft. to Ayush University, Raipur
BAMS Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery
B.Sc (Nursing)

Afft. to IGKV Raipur
B.Tech. Agricultural
B.Sc. Agricultural

फोरेंसिक साइंस में रोजगार के नए अवसर

फोरेंसिक साइंस - आगामी वर्षों में फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में जॉब के सबसे ज्यादा मांग हैं। बीएससी फोरेंसिक साइंस विद्यार्थीयों को देश-विदेश के फोरेंसिक शिक्षण संस्थानों में प्राध्यापक एवं फोरेंसिक एक्सपर्ट के रुप में कार्य करते है। सरकारी विभागों जैसे गृह विभाग, पुलिस, इंटेलिजेंस और क्राइम इन्वेस्टिगेशन से संबंधित अन्य एजेंसियों में फोरेंसिक साइंस का विशेष महत्व है। बीएससी फोरेंसिक साइंस प्रवेश हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता 12वीं गणित / जीवविज्ञान उत्तीर्ण, एमएससी फोरेंसिक साइंस हेतु बीएससी उत्तीर्ण, डिप्लोमा हेतु 12वीं उत्तीर्ण एवं पीजी डिप्लोमा हेतु बीएससी उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

समाज में एक मजबुत व्यवस्था का निर्माण, जिससे न्याय और शांति की नीव रखी जाएगी

लॉ (कानून) - लॉ एजुकेशन में विद्यार्थियों का रुझान एवं राज्य में इस शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लॉ संकाय में बीए एलएलबी, बीकॉम एलएलबी, एलएलबी एवं एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिये इंटीग्रेटेड लॉ 5 वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण, एलएलबी में प्रवेश के लिए किसी भी संकाय में स्नातक एवं एलएलएम में प्रवेश के लिए एलएलबी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। लॉ की पढ़ाई के बाद अपने कैरियर बनाने के कई विकल्प मौजूद हैं वकालत, न्यायाधीश, कानूनी सलाहकार बनने के साथ ही कॉर्पोरेट सेक्टर से संबंधित बैंकों, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त और लेखा विभाग, पर्यटन उद्योग, मानव संसाधन विभाग, इंवेस्टमेंट बैंकिंग जैसे सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं।

ज्ञान, कौशल और सफलता की कुंजी इंजीनियरिंग

हमारे छत्तीसगढ राज्य में भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कंपनी पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड एवं बड़ी बड़ी कम्पनियो के निवेश से तकनीकी क्षेत्र मे अध्ययन कर रहे विद्यार्थियो को राज्य में ही रोजगार के नया अवसर प्राप्त होगा।

एआईसीटीई से बीटेक एवं पॉलीटेक्निक पार्टटाइम कोर्स में प्रवेश की अनुमति प्राप्त की है। इस पार्टटाइम कोर्स के प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ में कार्यरत शासकीय एवं निजी क्षेत्रो पर कार्यरत प्रशिक्षार्थियों के लिये बहुत लाभकारी होगा। पॉलीटेक्रीक उत्तीर्ण प्रशिक्षु इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रीकल, सिविल, मेनिकल, कम्प्यूटर ब्रांच में प्रवेश प्राप्त कर सकते है। आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षु डिप्लोमा पॉलीटेक्नीक में इलेक्ट्रीकल, सिविल, मेनिकल, कम्प्यूटर में प्रवेश प्राप्त कर सकते है। इस प्रकार प्रशिक्षु अपने कार्यरत विभाग में पदोन्नति का अवसर प्राप्त कर निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो सकते है।

फूड एंड न्यूट्रीशन कोर्स कर सफल टाईटिशियन बनें

दो वर्षीय एवं डिप्लोमा न्यूट्रिशन एक वर्षीय एंड डाइटेटिक्स कोर्स सुचारु रुप से संचालित है इस विषय में प्रवेश हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता 12वीं बायोलॉजी जीव विज्ञान, गणित विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है एवं एमएससी के लिए बीएससी होम साइंस बीएससी फूड एंड न्यूट्रिशन इत्यादि उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत लिक्विड एवं सॉफ्ट डाइट, थरेपिटिक डाइट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विषय के माध्यम से विद्यार्थी अपना भविष्य सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्र में फूड इंस्पेक्टर, हेल्थ साइंस, डाइटिशियन, न्यूट्रीशनिस्ट, फूड रिसर्चर इत्यादि में बना सकते हैं।

- TOP RECRUITERS -

WIPRO LTD. · ASHOK L by LAYAM GROUP · JINDAL ELECTRICAL · HCL INFOSYSTEMS LTD · TATA CONSULTANCY SERVICES · L&T CONSTRUCTION · SUZUKI MOTORS · MAHINDRA & MAHINDRA LTD. · SUZLON ENERGY LTD. · BOC INDIA LTD. · DHOOT TRANSMISSIONS · ADVIK HIGH TECH Pvt. Ltd. · HIRA POWER & STEEL · MAINTEC TECHNOLOGIES · IDBI BANK LIMITED · JUST DIAL LIMITED

62322-21101 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07

www.bhartiuniversity.org bhartiuniversity.in@gmail.com

SCAN ME

खबर संक्षेप

शांति सरोवर में आज से गीता ज्ञान महोत्सव

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय 3 से 5 जून तक गीता ज्ञान महोत्सव आयोजित किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन शाम को 6 से 8 रात्रि बजे तक 'श्रीमद भागवत गीता का सार-खुशहाल जीवन का आधार' विषय पर व्याख्यान होगा। यह जानकारी रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने देते हुए बताया कि गीता रहस्य प्रवचनमाला में व्याख्यान देने के लिए कर्नाटक से ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी रायपुर आ चुकी हैं। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त तनाव प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञा वीणा दीदी ने गीता ज्ञान के माध्यम से भारतीय जीवन दर्शन का प्रवचनों द्वारा देश-विदेश में व्यापक प्रचार और प्रसार किया है, जो दुनिया में अपने तरह का अनूठा प्रयास है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ के मुख्य अतिथि नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव और विधायक अनुज शर्मा होंगे।

अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति का चुनाव

रायपुर। अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति, ढेबर सिटी रोड, भाठागांव में आमसभा आयोजित की गई। इसमें आगामी 3 वर्षों के लिए शिवरतन गुप्ता अध्यक्ष एवं जितेंद्र सिंह ठाकुर सचिव निर्वाचित हुए। बैठक में निर्वाचन अधिकारी समिति की संरक्षिका एवं सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर सुश्री रेखा सिंह तथा समिति के पूर्व अध्यक्ष ने चुनाव का संचालन किया। आमसभा में प्रमुख रूप से सुश्री रेखा सिंह, पूर्व अध्यक्ष खोरबाहरा राम साहू, कृष्णा ध्रुव, परमानंद गुप्ता, अशोक बंजारे, महेंद्र दुबे सहित मोहल्ले के नागरिक एवं सदस्य उपस्थित थे।

निधन

संजीत त्रिपाठी

रायपुर। समता कॉलोनी निवासी वरिष्ठ पत्रकार संजीत त्रिपाठी का 2 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. मोतीलाल त्रिपाठी के पुत्र और डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, क्रांति कुमार त्रिपाठी, धनंजय त्रिपाठी, डॉ. नीरजा शर्मा के भाई थे।

गौरांग पाण्डेय

रायपुर। श्वेत हंस परिसर के पीछे डीडीनगर निवासी गौरांग पाण्डेय (सिम्पू) का 2 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे प्रतीक पाण्डे, अविनाश, अमित एवं चीनू के भाई थे।

अतिक्रमण हटाने नोटिस जरूरी नहीं, मीनल ने अधिकारियों को किया फ्री हैंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महापौर मीनल चौबे ने गांधी सदन के सभागार में बारिश पूर्व नाले और नालियों की सफाई कार्य की समीक्षा करने बैठक ली। निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ जोन की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने निर्देश दिए। इस दौरान मीनल चौबे ने अधिकारियों से कहा कि नाले-नालियों से अतिक्रमण हटाने तत्परता दिखायें। इसके लिए नोटिस देना जरूरी नही है। यदि नाले नालियों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का अंदेशा है, तो इस पर तत्काल संज्ञान लें। महापौर ने सभी जोन के अधिकारियों को हिदायत दी है कि संसाधन उपलब्ध कराने के बाद भी यदि बारिश में नाले-नालियों में जलभराव की नौबत आई, तो संबंधित जोन कमिश्नर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सीधे जवाबदेह होंगे।

आयुक्त विश्वदीप ने कहा, जोन की सफाई व्यवस्था सुधारने पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं, साथ ही पर्याप्त समय दिया गया है। महापौर द्वारा समय-समय पर इसकी समीक्षा एवं निरीक्षण में दिये गये निर्देशों का सभी जोन अधिकारी पालन करें, ताकि बारिश में जलभराव की स्थिति ना आए। यदि किसी जोन में संसाधन की जरूरत है, तो तत्काल संसाधन के लिए प्रस्ताव, मांग स्वीकृति के लिए भेजें।

खास खबर

- गांधी सदन में महापौर मीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप ने बारिश पूर्व नाले-नालियों की सफाई की समीक्षा की
- प्लास्टिक कचरा को नाले-नालियां जाम होने का बताया प्रमुख कारण
- प्लास्टिक की जगह कागज और कपड़े से बने थैलियों के उपयोग पर जोर

प्लास्टिक कचरा नाले-नालियां जाम का प्रमुख कारण : *महापौर मीनल चौबे ने कहा कि शहर में प्लास्टिक कचरा ज्यादा मात्रा में होना नाले-नालियों के जाम होने एवं निकासी प्रबंधन के प्रभावित होने का प्रमुख कारण है। सभी अधिकारी वार्ड पार्षदों के साथ तालमेल बनाकर शहर को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने जनजागरण अभियान चलायें। इस कार्य में सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं, पर्यावरण विभाग और आम जनता को सहभागी बनाकर काम करें। मीनल चौबे ने सभी जोन की जोनवार बारिश की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, यूएस अग्रवाल, कृष्णा खटिक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, सभी जोन के जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे।*

जल विभाग की बैठक में पूछा कहां कितना टैंकर, बिना सत्यापन के भुगतान नहीं

महापौर मीनल चौबे ने गांधी सदन में जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष साहू की उपस्थिति में जल विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नलकूप खनन की स्थिति, पेयजल संकट प्रभावित इलाकों में पानी टैंकर की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा पूछा किस क्षेत्र में कितना टैंकर चल रहा है। जोनवार जल विभाग के अभियंताओं से पेयजल के संबंध में उन्होंने जानकारी ली। गर्मी के दौरान वार्डों में पेयजल संकट दूर करने चलाये गये टैंकर के बिल भुगतान के संबंध में जल विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी कि बिना सत्यापन के किराये के पानी टैंकर का बिल भुगतान न करें। पाइप लाइन विस्तार कार्यो के जो प्रस्ताव बनाकर भेजे गये हैं, उन पर निगम स्तर पर समक्ष स्वीकृति लेकर कार्यो को वार्डों में प्रारंभ कराने निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता यूके धलेंद्र, अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े, कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र, अंशुल शर्मा सहित जोन के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता उपस्थित रहे।

पहले दिन सर्वर ठप, दूसरे दिन अवकाश

आज नई मशीन से शुरू होगा तीन माह का एक साथ चावल वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चावल उत्सव के तहत छत्तीसगढ़ में उचित मूल्य दुकानों के हितग्राहियों को चालू माह से तीन महीने का एक साथ चावल वितरण किया जाना है, लेकिन एक तारीख को प्रदेशभर में सर्वर ठप रहा, वहीं दूसरे दिन प्रदेशभर की राशन दुकानों का साप्ताहिक अवकाश रहा, जिसके कारण दुकानें खुली नहीं। इस तरह दो दिन से प्रदेश में चावल का वितरण ही नहीं हो पाया है। इस तरह तीसरे दिन मंगलवार से राशन दुकानों में चावल वितरण शुरू हो जाएगा, लेकिन इसमें भी पुरानी ईपॉश मशीनें बाधा बन सकती हैं।

पुरानी मशीनों की वैधता खत्म हो गई है। इस कारण इन मशीनों में सर्वर भी ठीक से काम नहीं कर रहा है। इन मशीनों की जगह सभी राशन दुकानों में नई ई-पॉश मशीनों से राशन वितरण किया जाना हैं, लेकिन अभी तक लगभग 20 प्रतिशत राशन दुकानों में ही मशीनें बांटी गई हैं। इस कारण हफ्तेभर तक हितग्राहियों को राशन लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

रायपुर में 150 से ज्यादा दुकानों को बांटी जा चुकी नई मशीन

रायपुर जिले में कुल 709 राशन दुकानें हैं। इनमें शहरी क्षेत्र में 291 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 418 राशन दुकानें हैं। विभागीय सूत्र के अनुसार इनमें से अब तक 150 से ज्यादा दुकानों को नई ईपॉस मशीन वितरित की गई है, शेष दुकानों में दो दिन के भीतर वितरित की जानी है।

हरिभूमि सरोकार

कई दुकानों में पर्याप्त भंडारण नहीं

विभाग की ओर से निर्देश जारी किया गया है कि तीन माह का एक साथ चावल वितरण करने के लिए सभी राशन दुकानों में चावल का पर्याप्त भंडारण किया जाए, ताकि दुकानों में पहुंचने वाली हितग्राहियों को वापस लौटना नहीं पड़े। इस निर्देश के बाद भी अब तक कई दुकानों में पर्याप्त चावल का भंडारण हीं नहीं किया गया है। रायपुर जिले में ही ऐसी कई दुकानें हैं, जहां अब तक तीन माह का पर्याप्त भंडारण नहीं किया गया है।

हर माह के शुरुआती दिनों में सर्वर की समस्या

प्रदेशभर के राशन दुकानों में हर महीने की शुरुआती कुछ दिनों तक सर्वर की समस्या बनी रहती है। इसका कारण ऑनलाइन साफ्टवेयर है। राशन दुकानों को चालू माह के आखरी सप्ताह में आगामी महीने का राशन आबंटित किया जाता है। इस आबंटित राशन को महीना खत्म होने के बाद एनआईसी द्वारा साफ्टवेयर में अपडेट किया जाता है। इस कार्य में दो से चार दिन लग जाते हैं, जिसके कारण दुकानों में सर्वर की समस्या बनी रहती है।

दुकानों में बांटने खरीदी जा चुकी है 15 हजार से ज्यादा नई ईपॉस मशीनें

प्रदेशभर में 13968 सरकारी राशन दुकानें हैं। इन सभी दुकानों में अब नई ईपॉस मशीनों से राशन वितरण किया जाना है। इसके लिए विभाग द्वारा मशीनों की खरीदी भी की जा चुकी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार प्रदेश में संचालित दुकानों के लिए 15 हजार से ज्यादा नई ईपॉस मशीनों की खरीदी की गई है। बताया गया कि अतिरिक्त खरीदी की गई मशीनों को स्टॉक में रखा जाएगा, ताकि किसी दुकान की मशीन में तकनीकी खराबी आने या पूरी तरह खराब होने की स्थिति में उसे तत्काल रिप्लेस किया जा सके। इससे दुकान में राशन वितरण भी प्रभावित नहीं होगा।

साढ़े 23 लाख रुपए की एल्यूमिनियम सेक्शन की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उरला थाने की पुलिस ने फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस, नाम, ट्रक नंबर बताकर 23 लाख 51 हजार रुपए का एल्यूमिनियम सेक्शन लोड कर किसी दूसरी जगह बेचने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। जालसाज ने पिछले महीने रावण भाठा स्थित मेटल पार्क में संचालित फैक्ट्री के मालिक को झांसा देकर ठगी की थी।

फेनम एक्टूनेशिजन प्राइवेट लिमिटेड के संचालक राहुल केडिया की शिकायत पर पुलिस ने मूलतः हरियाणा, करनाल निवासी सचिन शर्मा को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। राहुल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी कंपनी ने राहुल के ट्रक में साढ़े सात हजार किलो वजनी एल्यूमिनियम सेक्शन गोरखपुर ले जाने लोड कराया था। माल लोड कराने के पूर्व सचिन के ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य दस्तावेजों की जांच करने के साथ उसका फोटो खींचकर रखा था। सचिन ने वह माल किसी अन्यत्र जगह खाली कर दिया। ट्रक रवानगी के तीन दिन बाद नियत जगह पर माल नहीं पहुंचा, तब राहुल ने सचिन से उसके मोबाइल नंबर से संपर्क करने की कोशिश की, संपर्क करने पर मोबाइल नंबर बंद बताया। इसके बाद राहुल ने थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

- फर्जी डीएल, ट्रक नंबर, नाम बताकर माल किसी अन्य पार्टी को बेच दिया था
- आरोपी को पुलिस ने मध्यप्रदेश, जबलपुर से किया गिरफ्तार

चेन स्नैचिंग करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में रविवार तड़के पौने पांच बजे मंदिर पूजा करने जा रही महिला को धक्का देकर उसके गले से चेन लूटकर भागने वाले शातिर बदमाश को पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने लूटी हुई 90 हजार रुपए कीमत की चेन बरामद की है। बदमाश को पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से मिले फूटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया है। चेन स्नैचिंग करने के आरोप में पुलिस ने कचना, खम्हारडीह निवासी रितेश नेताम को गिरफ्तार किया है। सुनीता सिन्हा ने चेन स्नैचिंग की शिकायत दर्ज कराई थी। सुनीता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह घटना दिनांक को तड़के पूजा करने मंदिर जा रही थी। इस दौरान पंडरी स्थित श्री शिवम शोरूम के पास एक्टिवा सवार बदमाश उसके करीब पहुंचा और उसे धक्का देकर उसके गले से चेन लूटकर फरार हो गया। रितेश के खिलाफ मारपीट, चोरी सहित चार मामले पंडरी तथा सिविल लाइंस थाना में दर्ज हैं। रितेश को गिरफ्तार करने जब पुलिस पहुंची, उस समय रितेश लूटी गई चेन को बेचने ले जाने की तैयारी कर रहा था।

- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में तड़के पूजा करने जा रही महिला के गले से बदमाश ने चेन स्नैचिंग की थी

■ महापौर के निर्देश पर जोन 6 अमले ने लिया एक्शन

संजय नगर बकरा मार्केट की 4 अवैध दुकानें सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टिकरापारा संजय नगर में नगर निगम की टीम ने बकरा मार्केट की 4 अवैध दुकानों पर ताला लगाकर सीलबंद कर दिया। संबंधित दुकान संचालक को पहले नोटिस दिया गया, जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर जोन 6 कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में अवैध रूप से संचालित 4 बकरा दुकानों को सीलबंद किया गया।

दरअसल, संजय नगर के बकरा मार्केट क्षेत्र का गत दिनों महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप ने निरीक्षण किया था। इस दौरान जोन के अधिकारियों को मार्केट क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित दुकानदारों को नोटिस देकर हटाने के निर्देश दिए। इसी परिप्रेक्ष्य में जोन 6 कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में उनकी टीम ने महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर संजय नगर क्षेत्र के बकरा मार्केट की 4 अवैध दुकानों को अभियान चलाकर सीलबंद करने की कार्रवाई की। इससे पहले संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा गया। सूत्रों के मुताबिक मार्केट में कुछ दुकानें ऐसी भी हैं, जिनमें दुकान का आवंटन किसी दूसरे के नाम पर है और संचालन दूसरा व्यक्ति कर रहा है। आने वाले दिनों में इस पर नियम अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

टाटीबंध से अटारी मार्ग पर हटाए अवैध कब्जे

रायपुर। टीम प्रहरी ने सोमवार को टाटीबंध से अटारी जाने वाले मार्ग को अवैध कब्जों से मुक्त कराया। इसी तरह जोन 10 क्षेत्र में नगर निवेश अमले ने बारिश पूर्व नाले में अवैध कब्जा कर बनाये गये पाटों को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। इससे नाला सफाई में आ रही अड़चन दूर हो गयी। निगम मुख्यालय उड़नदस्ता टीम ने टाटीबंध से अटारी जाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जा हटाने कार्यवाही कर सुगम आवागम का मार्ग प्रशस्त किया। जोन 10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे के निर्देश पर उप अभियंता अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में कब्जा हटाया गया। जोन 9 के नगर निवेश विभाग टीम ने विधानसभा मार्ग में चौराहों, स्ट्रील पोल और मार्ग विभाजक के मध्य लगाये गये अवैध बैनर पोस्टर को हटाकर जब्त करने कार्रवाई की। टिकरापारा पुजारी पार्क से मुख्य मार्ग तक अवैध कब्जा हटाने जोन 6 नगर निवेश टीम ने अभियान चलाया। यह कार्रवाई टिकरापारा से पुराने धमतरी मार्ग तक की गयी। जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में सुगम यातायात व्यवस्था देने अवैध ठेला-गुमटी हटाने टीम जुटी रही।

व्यायाम प्रशिक्षित संघ और कला संकाय प्रशिक्षितों ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर सोमवार को छत्तीसगढ़ व्यायाम शिक्षा प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। प्रदेश के स्कूलों में व्यायाम शिक्षकों के 20 हजार रिक्त पदों को भरने की मांग करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है, पिछले 6 साल से व्यायाम शिक्षक पद पर भर्ती नहीं हुई है। धरना स्थल पर कला एवं विज्ञान संकाय के प्रशिक्षितों ने अपनी 7 सूत्रीय मांग को लेकर धरना दिया। मोदी गारंटी के तहत 57 हजार शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया जल्द शुरू करने, व्याख्याता के अंतर्गत हिंदी, संस्कृत अर्थशास्त्र , राजनीति विज्ञान, भूगोल और इतिहास विषय वालों की भर्ती प्रमुखता से किये जाने की मांग को प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ शारीरिक शिक्षा व्यायाम प्रशिक्षित संघ के बैनर तले प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने शिक्षक भर्ती में व्यायाम शिक्षक को शामिल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन कर रहे व्यायाम प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने बताया कि साल 2019 में 645 पद व्यायाम शिक्षक के भरे गये। तब से लेकर आज तक व्यायाम शिक्षक के एक भी पद पर भर्ती नहीं की गयी। संघ के अध्यक्ष हेमंत सार्वा ने कहा है कि शिक्षक भर्ती में व्यायाम शिक्षकों की नियमित भर्ती की जाए, जिससे बीपीएड एवं एमपीएड के विद्यार्थियों को रोजगार मिल सके। उन्होंने आरोप भी लगाया कि 6 सालों से व्यायाम शिक्षक का कोई भी पद नहीं निकाला गया है।

■ पांच सूत्रीय मांग को लेकर कला संकाय प्रशिक्षितों का आंदोलन

बीएड-डीएड प्रशिक्षितों ने दिया धरना

कला एवं विज्ञान संकाय प्रशिक्षित कल्याण संघ के आव्हान पर प्रदेश भर के बीएड-डीएड प्रशिक्षितों ने 7 सूत्रीय मांग के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने धरना दिया। धरना प्रदर्शन के दूसरे दिन दूर दराज से आए प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने माजपा के घोषणापत्र में मोदी की गारंटी 57 हजार शिक्षक भर्ती के वादे को पूरा करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। संघ के अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने हरिभूमि को बताया कि तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से कला एवं विज्ञान संकाय के प्रशिक्षित 2008 का सेटअप यथावत रखने की मांग करने जुटे हैं। हमारी मांग है कि प्रदेश के 10,643 स्कूलों का युक्ति युक्त करण निरस्त किया जाए।

भ्रष्टाचार की बारात, कुलपति को बनाया दूल्हा, छात्र बने बाराती

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने सोमवार को इंदिरा गांधी कृषि विवि में निर्माणाधीन बायोटेक इनक्यूबेशन सेंटर में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए भ्रष्टाचार की बारात निकाली, जो विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से से प्रारंभ होकर मुख्य द्वार तक पहुंची। इस बारात में कुलपति का मुखौटा पहनकर एक छात्र को घोड़े पर बिठाया गया। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते हुए सांकेतिक बारात निकाली। इस दौरान छात्रों ने दहेज के रूप में नकली नोटों से भरा सूटकेस सौंपा। एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। छात्रों ने कहा कि यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रदर्शन था। छात्रों ने कृषि विवि के कुलपति पर कार्रवाई सहित बायोटेक इनक्यूबेशन सेंटर निर्माण समेत विश्वविद्यालय की सभी खरीदी प्रक्रिया की उच्चस्तरीय, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग रखी है।

पीडब्ल्यूडी के स्थान पर निजी ठेकेदारों से काम

एनएसयूआई ने बायोटेक इनक्यूबेशन सेंटर के निर्माण में ठेके और भुगतान में अनियमितता का आरोप लगाया है। इसके अलावा उक्त निमार्ण कर्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से ना कराने के बजाय निजी तौर पर करवाकर मनमाने भुगतान का भी आरोप लगाया है। एनएसयूआई का कहना है कि निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है, इसके बावजूद अनुमानित लागत से करोड़ों रुपए अधिक का भुगतान किया गया है।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर अंचल कार्यालय ने चलाया स्वच्छता अभियान

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर अंचल कार्यालय की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन अंचल कार्यालय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान की शुरुआत अंचल प्रमुख दिवाकर पी. सिंह एवं उप महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास) भरतकुमार चावड़ा के नेतृत्व में की गई। कार्यक्रम के दौरान न केवल सफाई अभियान चलाया गया, बल्कि कर्मचारियों ने एक मानव श्रृंखला बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज को दिया। इस अवसर पर 'रिड्यूस, रीयूज, री-साइकिल - सेय नो टू प्लास्टिक' थीम पर आधारित जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया। अंचल प्रमुख श्री सिंह ने कहा, पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है।

'खेत से बाजार तक : छत्तीसगढ़ में श्रीअन्न की आपूर्ति श्रृंखला' पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर, कृषि विभाग बालोद के जिला उप-निदेशक कार्यालय तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बालोद के संयुक्त तत्वावधान में डौंडी के जनपद सभागार में 'खेत से बाजार तक : छत्तीसगढ़ में श्रीअन्न (मिलेट्स) की आपूर्ति श्रृंखला' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत किया गया। कार्यशाला का संयोजन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मनीष कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि नीति आयोग के सहयोग से इस परियोजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में मिलेट्स (श्रीअन्न) की आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाना है, ताकि किसानों को उत्पादन से लेकर विपणन तक लाभ मिल सके।

पेज 11 के शेष ...

राजधानी में सूची...

नवीन कक्ष का निर्माण किया जाना है अथवा नहीं। अर्थात सत्र प्रारंभ होने से कुछ दिन पहले हिसाब लगाया जा रहा है कि पैसे कहां खर्च करने और कहां निर्माण की आवश्यकता है? प्रदेशभर में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया चल रही है। स्कूल प्रबंधन अतिशेष शिक्षकों की सूची तैयार करने में व्यस्त है। इसके पश्चात काउंसिलिंग सहित अन्य प्रक्रियाएं भी होनी हैं। ऐसे में कक्ष निर्माण संबंधित जानकारी एकत्र करने में भी विलंब हो रहा है। नवीन सत्र की शुरुआत को लेकर भी कोई आदेश अथवा दिशा-निर्देश अब तक जारी नहीं किए जा सके हैं। जिन स्कूलों द्वारा नवीन कक्ष निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा, वहां भी निर्माण कार्य सत्र शुरू होने के बाद ही प्रारंभ हो सकेगा। बच्चों को फिर से ईंट, रेत, गिट्टी के बीच पढ़ाई करनी होगी।

शहर के सीने पर...

सबसे ज्यादा जर्जर भवन जोन 6 क्षेत्र के हैं, इनकी संख्या 36 है, जबकि मोहबाबाजार स्थित जोन 8 क्षेत्र 24 जर्जर भवन को सूचीबद्ध किया गया है, जबकि शहर के इलाकों में वार्ड परिसीमन के बाद अस्तित्व में आये जोन 9 और जोन 10 शहर के ऐसे जोन हैं, जहां एक भी जर्जर भवन नहीं है। नगर निवेश विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जर्जर भवन किरायेदार और भवन स्वामी के बीच विवाद के कारण मामला कोर्ट में है। वहीं कुछ ऐसे भी भवन हैं, जो सालों से खाली पड़े हैं, जिनके भवन स्वामी का अता-पता नहीं है। ऐसे भवन के खिड़की, दरवाजे और दीवारें तक क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। बारिश में इन खतरनाक भवनों से जान-माल का खतरा है।

दो साल फ्लैट का...

ने स्पष्ट किया कि प्रमोटर की लापरवाही ने उपभोक्ता का विश्वास तोड़ा है और साथ ही रेरा कानून का उल्लंघन किया है। रेरा रजिस्ट्रार ने इस संदर्भ में कहा कि रेरा का उद्देश्य है कि प्रत्येक होमबायर को समय पर उसका अधिकार मिले। यह आदेश उसी दिशा में एक मजबूत संदेश है कि कोई भी प्रमोटर उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी या देरी नहीं कर सकता। रेरा के इस निर्णय से न केवल पीड़ित उपभोक्ता को राहत मिली है, बल्कि यह अन्य खरीदारों के लिए भी एक सकारात्मक संदेश बनेगा। रेरा ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे सजग रहें और समय पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इस मंच पर शिकायत दर्ज करें।

रोहित तोमर और...

शिकायत दर्ज कराई है। दसमीत ने पुलिस को बताया है कि वह घटना दिनांक को अपने दोस्त के साथ एलओडी रेस्टोरेंट से खाना खाकर निकल रहा था। इस दौरान उसका सामना रोहित से हुआ। रोहित, दसमीत के साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर रोहित ने प्रापर्टी डीलर को धक्का देकर गिरा दिया और पास पड़े डंडे से उसकी पिटाई करने लगा। रेस्टोरेंट के बाउंसर ने झगड़ा शांत कराया। इसके बाद पास खड़े रोहित ने अपने बाउंसर के साथ मिलकर प्रापर्टी डीलर के साथ मारपीट की। **हाईपर क्लब में हाईप्रोफाइल ड्रामा का आरोपी** : रोहित तोमर के खिलाफ पुरानी बस्ती, डीडीनगर, कोतवाली, गुढ़ियारी सहित कई थाना क्षेत्रों में अवैध तरीके से ब्याज के नाम पर लोगों से अवैध वसूली करने के साथ अपहरण का अपराध दर्ज है। पिछले वर्ष वीआईपी रोड स्थित हाईपर क्लब में प्रेम प्रसंग के चलते रोहित ने हाईप्रोफाइल ड्रामा करते हुए अपने गुर्गों के साथ मिलकर विकास अग्रवाल की पिटाई करने के साथ कार में तोड़फोड़ की थी। पिटाई तथा तोड़फोड़ से आहत विकास ने हवाई फायरिंग की थी। पुलिस ने उस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 3 जून 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

सेहत की फिक्र हुई तो बनाया राइडर ग्रुप...

लाइव इवेंट

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 जुलाई तक

रायपुर। कोण्डागांव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय पूर्णतः पाठ्य सहगामी आवासीय विद्यालय हैं। प्रतिवर्ष के भांति कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु वर्तमान सत्र 2025-26 में पांचवी में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। जवाहर नवोदय विद्यालय की वेबसाइट https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs के माध्यम से प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। नारायणपुर जिला प्रशासन एवं जिला खनिज न्यास निधि मद के सहयोग से गरांजी स्थित आवासीय कोचिंग संस्था में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए जेईई एवं नीट की निशुल्क सघन कोचिंग संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयार करना है।

छात्रों के लिए 50 सीटें निर्धारित

प्रवेश प्रक्रिया के तहत कक्षा 10वीं में विज्ञान एवं गणित में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए 50 सीटें निर्धारित की गई हैं। वहीं कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए गणित संकाय में 25 तथा जीव विज्ञान संकाय में 25 सीटों की व्यवस्था की गई है। इच्छुक छात्र-छात्राएं 1 से 9 जून तक कोचिंग सेंटर एजुकेशन हब गरांजी से आवदेन फार्म प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 10 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक परियाना कोचिंग एजुकेशन हब गरांजी में परीक्षा आयोजित किया जाएगा। परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए छात्र का पूर्व कक्षा से उत्तीर्ण होना आवश्यक है तथा उसमें कम से कम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए परियना कोचिंग सेंटर गरांजी से सम्पर्क कर सकते हैं।

सिटी इवेंट

मानसिक तनाव से उबरने सीबीएसई के स्टूडेंट्स को काउंसिलिंग में दिए टिप्स

रायपुर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने बीते दिनों 10वीं-12वीं रिजल्ट 2025 घोषित कर दिये हैं। सीबीएसई ने परीक्षा परिणामों के बाद छात्रों में मानसिक तनाव और चिंता को कम करने के लिए निःशुल्क टेली-काउंसलिंग सेवा शुरू की थी। इसके तहत विद्यार्थी निःशुल्क काउंसलर से बातचीत कर अपनी समस्याएं और उनका समाधान जान सकें। टेली काउंसलिंग सेवा से विद्यार्थियों को न केवल मानसिक तनाव से उबरने में राहत मिली। साथ ही उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में भी यह मददगार साबित हुआ। यह सेवा बोर्ड की उन दो चरणों वाली काउंसिलिंग योजना का दूसरा हिस्सा था, जिसका पहला चरण परीक्षाओं के दौरान शुरू किया गया था। अब परिणाम जारी होने के बाद दूसरा चरण छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त करने के उद्देश्य से प्रांरभ किया गया।

टोल फ्री नंबर पर विद्यार्थी ने काउंसलिंग विशेषज्ञों से लिया मार्गदर्शन

पोस्ट-रिजल्ट साइकोलॉजिकल काउंसलिंग के लिए विद्यार्थी ने टोल फ्री नंबर का उपयोग कर विशेषज्ञों की मदद ली, वहीं विशेषज्ञों की मदद से विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम के बाद उत्पन्न हो रही समस्याओं के व्यवहारिक समाधान प्राप्त की। यह काउंसिलिंग विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद रही, इससे विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ा और उनमंक आगे बेहतर करने का जज्बा भी कायम रहा। सीबीएसई बोर्ड की ओर से छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए विशेषज्ञों को नियुक्त किया गया था। काउंसिलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों में मानसिक तनाव काफी रही, साथ ही सभी काउंसलर ने छात्रों को रिजल्ट के बाद होने वाले तनाव, चिंता और आत्म-संदेह से उबरने में उनकी सहायता भी की।

पॉडकास्ट और वीडियो वेबसाइट और यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

छात्र अब सीबीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट सीबीएसई डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर तनाव कम करने, पढ़ाई की सही प्लानिंग और मानसिक सेहत को बेहतर बनाने से जुड़े पॉडकास्ट और वीडियो आसानी से देख और डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा बोर्ड ने छात्रों की मदद के लिए शुरू की गई है। छात्र परामर्श के लिए सीबीएसई वेबसाइट के काउंसिलिंग अनुभाग में जा सकते हैं या सीबीएसई मुख्यालय के यूट्यूब चैनल पर देख सकते है। सीबीएसई की वेबसाइट और यूट्यूब चैनल पर मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक दबाव को संभालने के बारे में पॉडकास्ट और वीडियो उपलब्ध हैं।

जेईई एडवांस्ड के परिणाम जारी, एनआईटी और आईआईटी में प्रवेश के लिए कई छात्रों को मिली टॉप रैंकिंग

आईआईटी में कामयाबी पाने दो साल तक पढ़ाई का नहीं बदला रुटीन, सोशल मीडिया और फैमिली फंक्शन से भी बनाई दूरी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने जेईई एडवांस्ड 2025 का रिजल्ट घोषित कर दिया है। इस बार छत्तीसगढ़ के नजीते पिछले वर्ष के मुकाबले बेहतर रहे हैं। ऑल इंडिया रैंक में जगह बनाने में सफलता मिली है। हरिभूमि ने जेईई एडवास्ड में टॉपर स्टूडेंट्स से बातचीत की। टॉपर ने बताया कि जेईई एडवास्ड क्लीयर करने के लिए 2 वर्षों तक फिल्म, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, स्पोर्ट्स जैसे सभी हॉबी को छोड़ा हुआ था।

रायपुर। केवल एक ही रुटीन में रहकर सुबह से रात तक पढ़ाई पर ध्यान दिया, इस कड़ी मेहनत से ही आज सफलता हासिल हुई है। एलेन कोचिंग सेंटर के हेड कुणाल सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों ने पीडब्ल्यूबीडी केटेगरी में ऑल इंडिया रैंक-1 में नाम दर्ज कराया है। इसमें किंशुक केडिया एआईआर-179, हर्षल गुप्ता एआईआर-214, हर्ष कुमार एआईआर-259, पृथ्वी देवांगना एआईआर-946, प्रद्युम्न गोंडुले एआईआर- 1030, तनीशा अग्रवाल एआईआर- 2407, श्रीसंत कुमार मोहराना एआईआर- 2501, पलाश वर्मा एआईआर- 3068, आर्यन सिंह एआईआर-4930, मोनिक मालीवाल एआईआर- 5009 ने आल इंडिया रैंक प्राप्त किया है। एलेन रायपुर से 3 स्टूडेंट्स ने टॉप-300 और 31 स्टूडेंट्स टॉप 15000 में रैंक लेकर आए हैं। इसमें 55 स्टूडेंट्स जेईई-एडवांस्ड में सफल हो चुके हैं।

दो साल साइकिलिंग से पढ़ाई का स्ट्रेस किया कम

ऑल इंडिया रैंक 2501 पर रहे श्रीसंत कुमार मोहराना ने बताया कि इन दिनों कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। क्लासरूप में मेरे दोस्त ही मेरे कॉम्पिटेटिव थे। दोस्तों से बेहतर करने की इच्छा ही मेरी सफलता की चाबी है। लगभग बीते 2-3 साल से एक ही रुटीन फॉलो किया है। इसमें रोजाना सुबह साइकिलिंग से पढ़ाई का स्ट्रेस कम होता था, जिससे दिनभर शरीर में स्फूर्ति बनी रहती थी। आईआईटी बॉम्बे में दाखिले के साथ ही कंप्यूटर फील्ड में आगे बढ़ने का लक्ष्य है।

माइंड फ्रेश करने पढ़ाई को बनाया विकल्प

ऑल इंडिया रैंक 3068 पलाश वर्मा ने बताया कि बीते दो साल से एक ही रुटीन फॉलो कर रहा था, जिसमें दिन का एक घंटा भी वेस्ट नहीं किया। सुबह 5 बजे से दिनचर्या की शुरुआत होती, जिसमें स्कूल, कोचिंग और सेल्फ स्टडी को केवल समय दिया। पढ़ाई करना पसंद है, इसलिए माइंड फ्रेश करने के दौरान भी पढ़ना ही बेहतर विकल्प लगता है। अब सीएससी ब्रांच में पढ़ाई करने की इच्छा है। बेहतर भविष्य के लिए पढ़ाई ही एकमात्र विकल्प है। बड़ा भाई जेईई क्लीयर कर एनआईटी रायपुर में पढ़ाई कर रहा, जो मेरे लिए प्रेरणास्त्रोत है।

फैमिली फंक्शन और पार्टी में जाना बंद किया

ऑल इंडिया रैंक 4930 आर्यन सिंह ने बताया कि दसवीं के बाद पिता ने जेईई की जानकारी दी। आईआईटी गुवाहाटी में पढ़ने की इच्छा है। परीक्षा के दौरान एडिशनल मटेरियल, शॉर्ट नोट्स और टेस्ट पेपर बेहतर परिणाम में मददगार रहे। पढ़ाई के दौरान प्रशिक्षक और दोस्तों से मदद ली। जेईई की तैयारी के चलते दो साल तक पार्टी और फैमिली फंक्शन में जाना बंद कर दिया था।

आईआईटी बॉम्बे में जाने छोड़ा स्पोर्ट्स

किंशुक केडिया ने 265 अंकों के साथ आल इंडिया रैंक 179 प्राप्त कर छत्तीसगढ़ मे पहला स्थान प्राप्त किया है। बातचीत में दौरान बताया कि बचपन से पढ़ाई और स्पोर्ट्स में रुचि रही है। क्रिकेट, बेडमिंटन, चेस जैसे अनेक स्पोर्ट्स राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला, लेकिन कक्षा 10वीं के बाद जेईई की तैयारी शुरू की, लगातार दो साल की कड़ी मेहनत के बाद सफल परिणाम हासिल हुआ है। अब आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली में जाने का सपना है।

शॉर्ट नोट्स से की पढ़ाई

हर्ष कुमार ने आल इंडिया रैंक 259 हासिल किया है। बातचीत में बताया कि कंप्यूटर और नवीन तकनीक में रुचि रही। परीक्षा के दौरान शॉर्ट नोट्स की मदद से पढ़ाई की। एग्जाम के दौरान इससे काफी मदद मिली। हर्ष ने बताया कि जेईई की तैयारी के कारण सोशल मीडिया का इस्तेमाल कम कर दिया था। पढ़ाई को लेकर शेड्यूल बनाया। क्लासरूम में जो पढ़ाया जाता था, केवल उस पर फोकस किया। अब कंप्यूटर साइंस में कॅरियर बनाना है।

जेईई क्लीयर करने छोड़ा सोशल मीडिया

ऑल इंडिया रैंक 2407 तनीशा अग्रवाल ने बताया कि जेईई की तैयारी के लिए फिल्म, वेब सीरिज और सोशल मीडिया में एक्टिव रहना छोड़ दिया। दसवीं बोर्ड से अब तक केवल बेहतर कॅरियर बनाने में समय दिया है। आईआईटी बॉम्बे में पढ़ाई करने का सपना ही मोटिवेट करता रहा, अब मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर फील्ड से कॅरियर बनाने की इच्छा है।

तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर

आने वाली पीढ़ियां हिमालय में नहीं देखेंगी बर्फ

रायपुर। वृंदावन हॉल में प्रकृति की ओर सोसाइटी ने पर्यावरणीय भीषणता की ओर दर्शक न बनें, समाधान सोचें, विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने और जलवायु संकट से निपटने के लिए संभावित समाधानों पर केंद्रित रहा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता नितिन सिंघवी ने वैश्विक और स्थानीय स्तर पर बढ़ते जलवायु परिवर्तन के खतरों पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत लॉस एंजिल्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय शहरों की भयावह पर्यावरणीय स्थिति से की और बताया कि किस प्रकार सीओटू उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, असमान तापमान वृद्धि और अनियमित वर्षा जलवायु असंतुलन को तीव्र गति से बढ़ा रहे हैं।

समाधान के लिए दिए सुझाव

कार्यक्रम में समाधान को लेकर सुझाव दिए गए, जिसमें बताया गया कि प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण के लिए आगे आना चाहिए, जंगल बचाने के लिए कार्य करना चाहिए। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कोयले के पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता घटे। बिजली एवं जल की बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। संगोष्ठी में प्रकृति की ओर सोसाइटी के अध्यक्ष मोहन वर्त्यानी, सचिव निर्मय धाड़ीवाल, डॉ. विजय जैन, डॉ. अनिल चौहान, दलजीत बग्गा, डीके तिवारी, डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर समेत पर्यावरण प्रेमी, युवावर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आने वाले समय में मौसमी घटनाएं बढ़ेंगी

संगोष्ठी में बताया कि अब जलवायु परिवर्तन जलवायु संकट बन गया है। जलवायु परिवर्तन अब केवल भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है, जिससे आने वाले समय में चरम मौसमी घटनाएं बढ़ेंगी, जैसे अचानक बहुत पानी गिरना, तेज आंधी चलना, भीषण गर्मी पड़ना, अचानक और तेज बारिश से पहाड़ी इलाकों में भू-स्खलन होना और बादल फटना, बिजली गिरने की घटनाओं की संख्या में बढ़ोतरी होना। उन्होंने बताया कि ग्लेशियर पिघल रहे हैं, आने वाली पीढ़ियां हिमालय में बर्फ नहीं देखेंगी। हवाई उड़ानों में टर्बुलेंस और व्यवधान की घटनाएं बढ़ेंगी।

नूतन स्कूल समर कैंप, 30 विधाओं में दे रहे प्रशिक्षण

रायपुर। टिकरापारा स्थित नूतन उच्चतर माध्यमिक स्कूल में 10 जून तक समर कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप के दूसरे दिन कोई पियानो पर एक नया तराना निकालने में जुटा है तो कोई तबले की थाप पर मशगूल, कहीं मेहंदी के रंग हाथों पर गुलशन की माफिक सज रहे हैं तो कोई संगीत की लय और ताल के साथ डांस पर थिरकने में मस्त है, कोई कराटे तो कोई सिलाई के गुर सीखने में तल्लीन है। यही भाव लिए चहुंओर नूतन शाला आरडीए कॉलोनी टिकरापारा समर कैंप में बच्चे रचनात्मक गतिविधियों में मगन नजर आ रहे हैं। स्कूल में यह कैंप हर रोज सुबह 8.30 बजे से 10.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। सामाजिक संस्था विकास परिषद द्वारा संचालित समर कैम्प का आयोजन किया गया है। समर कैंप में 35 स्कूलों के बच्चे स्पोकन इंग्लिश, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, जरीवर्क, कराटे, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, टैली, भरतनाट्यम क्लासिकल डांस, सिंगिंग इत्यादि 30 से अधिक विभिन्न विधाएं सीख रहे हैं। कैंप में करीब 2600 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। कैम्प की खास विशेषता कैरियर गाइडेंस भी है, जिसमें बच्चों को 12वीं की शिक्षा के बाद कैरियर निर्माण के कई आयामों से परिचित कराया जा रहा है। यह जानकारी स्कूल की प्राचार्या डॉ. ममता पांडे ने दी।

रायपुर सहित अलग-अलग क्षेत्रों में समाज के लोग सरोकार से जुड़कर नॉमिनल शुल्क पर दे रहे आवास

उच्च शिक्षा में अब 'खर्च' नहीं बन रहा बाधा, समाज की पहल से गांवों के विद्यार्थियों को मिल रही निशुल्क हॉस्टल सुविधा

कार्नर न्यूज

रायपुर। 'गांवों में रहने वालों को अपने बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए शहरों में भेजना एक सपने जैसा लगता है। महंगी शिक्षा और हॉस्टल का खर्च वहन करना माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चुनौती होता है। ऐसे में अब सरोकार से जुड़कर कई समाज विद्यार्थियों की शिक्षा में सहभागी बनते हुए रायपुर समेत दूसरे क्षेत्रों में उन्हें हॉस्टल की सुविधा देने का दायित्व निभा रहे हैं, ताकि समाज के युवा परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभा सकें। साथ ही समाज के बेटे-बेटियों में उच्च शिक्षा का ग्राफ ऊंचा उठाया जा सके।' छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले किसानों और मजदूरों के लिए बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाना वर्तमान दौर में आसान नहीं है। जैसे ही 12वीं का रिजल्ट आता है, माता-पिता की चिंता बढ़ जाती है। इसे कम करने का दायित्व इन दिनों कई समाज द्वारा निभाया जाता है। समाज प्रमुखों की अगवाई में ऐसे हॉस्टल का संचालन किया जाता है, जिसमें छात्र-छात्राओं को रहने और खाना पकाने की सुविधा दी जाती है। इससे उनके माता-पिता को प्राइवेट हॉस्टल की मोटी फीस देने से बचाते हैं। इस तरह की स्थिति को देखते हुए छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़सराम कश्यप 22 जून को तात्यापारा स्थित समाज द्वारा संचालित हॉस्टल को फिर से शुरू करने के लिए मीटिंग में निर्णय लेने वाले हैं।

गांव प्रमुख और राज प्रधान की अनुशंसा

केंद्रीय अध्यक्ष ने आगे बताया कि वर्तमान में समाज द्वारा बलौदाबाजार, तिल्दा और भिलाई सेक्टर-7 में हॉस्टल का संचालन किया जाता है। इसमें सिर्फ समाज के युवाओं को ही उच्च शिक्षा के दौरान आवास की सुविधा दी जाती है। इसके लिए संबंधित युवा के पिता को गांव प्रमुख और राज प्रधान की अनुशंसा के बाद फार्म के साथ छात्र और उनके पिता का आधारकार्ड, अनुशंसा पत्र के साथ दो फोटो देना होता है। इसके आधार पर उच्च शिक्षा के लिए हॉस्टल और किचन की सुविधा दी जाती है। पालकों से भी हर महीने सिर्फ बिजली व मेंटेनेंस शुल्क ही लेते हैं। शिक्षा सत्र में करीब सौ विद्यार्थियों को यह सुविधा देने की तैयारी है।

76 लाख में समाज ने बनवाया हॉस्टल

रायपुरा में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के द्वारा भी छात्र-छात्राओं के लिए सामाजिक हॉस्टल शुरू किया गया है। समाज प्रदेश सचिव सुंदरलाल यादव ने बताया कि दो साल पहले 76 लाख में हॉस्टल बनकर तैयार हुआ है। इसमें अभी 22 छात्र-छात्राओं को रहने की सुविधा दी जाती है। इसमें 8 कमरे छात्राओं के लिए और इतने ही कमरे उच्च शिक्षा के लिए आने वाले छात्रों के लिए है। प्रत्येक कमरे में चार लोगों के रहने की सुविधा है। खाना वे खुद पकाते हैं, कुछ लोग बाहर से टिफिन मंगाते हैं। हॉस्टल की सुविधा के नाम पर नॉमिनल मेंटेनेंस शुल्क ही लेते हैं। अभी आवेदन लिए जाएंगे।

हाईप्रोफॉइल सुविधा दे रहा है ट्रस्ट

शहर में हाईप्रोफॉइल फैमिली के छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा में सहयोग देने के लिए रामनाथ भीमसेन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एसी सुविधायुक्त हॉस्टल की सुविधा देता है। हॉस्टल संचालिका प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि इसमें हर जाति धर्म की छात्र-छात्राओं को आवास के साथ ही घर के जैसा भोजन व नाश्ता की सुविधा भी दी जाती है। इसके बाद भी दूसरे प्राइवेट हॉस्टल के लिहाज से नॉमिनल शुल्क ही लिया जाता है।

सिटी इवेंट

पोस्टर मेकिंग, री-साइकिलिंग मॉडल से प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का दिया संदेश

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर मेकिंग व बेस्ट आउट ऑफ द वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 5 जून तक चलने वाली इस आयोजन की शुरुआत 31 मई को हुई थी, इसके तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता में 2 जून को पोस्टर मेकिंग और बेस्ट आउट ऑफ द वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए "मिशन लाइफ" के उपलक्ष्य में शिक्षा मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। पर्यावरण दिवस पर इस वर्ष का विषय "वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" है, जिसके अंतर्गत संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान 31 मई से 5 जून तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से "विश्व पर्यावरण दिवस 2025" का आयोजन कर रहा है। 3 जून को स्वच्छता अभियान और हैकाथॉन आयोजित होंगे।

प्रतिभागियों ने उत्साह से लिया भाग

20 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक इस प्रतियोगिता में भाग लिया। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में प्लास्टिक की भूमिका पर आकर्षक पोस्टरों के जरिए प्रकाश डाला गया। साथ ही विभिन्न री-साइकिल वस्तुओं का प्रयोग कर आकर्षक मॉडल बनाए गए। सभी पोस्टरों और मॉडल्स का अवलोकन विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के दिन की जाएगी। यह प्रतियोगिता सिविल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चंदन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायकों में डॉ. चंदन सिंह, डॉ. श्रुति शरद नगदेवे, डॉ. शारदा भारती और डॉ. मुकेश रौशन शामिल रहे।

सिटी में 2021 के बाद बढ़ गया साइकिल चलाने का शौक, अब युवा भी जुड़ रहें

सेहत की फिक्र हुई तो बनाया राइडर ग्रुप, रोज 30 किमी तक आउटडोर साइकिलिंग, सोसायटी को भी कर रहे जागरूक

शहरी जीवन की दैनिक दिनचर्या में घटती फिजिकल एक्टिविटीज के चलते सेहत को लेकर सभी फिक्रमंद हैं। ऐसे में पहले खुद को सेहतमंद बनाने सिटी के कुछ प्रोफेशनल व कामकाजी व्यक्तियों ने साइकिलिंग राइडर ग्रुप बनाया है। साइकलिंग राइडर ग्रुप के सदस्य रोजाना तड़के 5 बजे से शहर के आसपास 30 किमी दूरी तक आउटडोर साइकिलिंग पर निकल जाते हैं।सेहत को लेकर फिक्रमंद साइकिलिंग राइडर ग्रुप सुबह 7.30 बजे तक लौट आता है, उसके बाद दिनभर फिट व तरोताजा होकर अपने कामकाज में लग जाते हैं।

रायपुर। ग्रुप का नाम छत्तीसगढ़ राइडर क्लब रखा गया है। इसके सदस्य और बाल विकास विभाग में परियोजना अधिकारी अनुपमा तिवारी बताती हैं कि वे 2014 से रोजाना सुबह 30 किमी तक आउटडोर साइकिलिंग कर रही हैं, वे अभी 56 वर्ष की हैं, वे बाजार, ऑफिस भी साइकिल से चली जाती हैं। साइकिलिंग कर उनका इम्युनिटी सिस्टम, मसल पॉवर मजबूत हुआ है। ओह हमेशा खुद को फिट और तरोताजा महसूस करती हैं। उन्होंने आगे बताया कि वह पहले अकेले या एक-दो दोस्तों के साथ साइकिलिंग करती थीं, लेकिन 2020-21 के बाद सोसायटी के बहुत सारे प्रोफेशनल व कामकाजी लोग साइकिलिंग को लेकर जुड़ने लगे। तब हमारे ग्रुप के सदस्य घनश्याम रोहरा ने छत्तीसगढ़ राइडर क्लब बनाया। इस ग्रुप में प्रोफेशनल, सीनियर सिटीजन, युवा, महिलाएं, बच्चे सभी वर्ग के 20 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो लगातार साइकिलिंग कर खुद को सेहतमंद और पर्यावरण को भी प्रदूषण से बचाने का काम कर रहे हैं। आज विश्व साइकिल दिवस पर ऐसे ही साइकिलिंग से सेहत बना रहे लोगों की आगे चर्चा कर रहे हैं।

विश्व साइकिल दिवस आज

7 सालों से साइकिलिंग, एकदम फिट

सरकारी सुरक्षा में बड़े ओहदे के अधिकारी विनय भास्कर का कहना है कि उनकी उम्र 50 साल है और वर्ष 2018 से रोजाना अर्ली मार्निंग सुबह 5 बजे आउटडोर साइकिलिंग करते आ रहे हैं। पिछले 7 सालों से साइकिल चलाकर मुझे मालूम पड़ा है कि मेरा इम्युनिटी सिस्टम बूस्ट हुआ है, साथ ही मसल पॉवर बढ़ा है। वहीं बीपी, शुगर सभी कंट्रोल में है। इसके अलावा साइकिल चलाने का ही असर रहा कि कोरोनाकाल में मुझे और मेरे साथ ग्रुप साइकिलिंग करने वाले एक भी व्यक्ति को कोरोना बीमारी छू भी नहीं पाई।

60 साल के उम्र में 40 किमी रोज साइकिलिंग

साइकिलिंग ग्रुप के सदस्य इम्तियाज अली का कहना है कि वे 60 वर्ष के हैं और रोजाना 30 से 40 किमी तक अर्ली मॉर्निंग आउटडोर साइकिलिंग पर निकलते हैं। वे 2021 से फिट रहने साइकिल चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह एक निजी स्कूल में गणित संकाय के टीचर हैं। प्रोफेशनल तौर पर फिजिकली व मेंटली फिट रहने में साइकिलिंग काफी अच्छा व्यायाम साबित हुआ है।

हृदय और स्वास्थ्य को बनाता है बेहतर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि साइकिलिंग बेहतर व्यायाम है, जो हृदय और स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। वजन घटाने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को भी सकारात्मक रूप से संचालित करने में लाभदायक है।

कोरोना के बाद तेजी से बढ़ी साइकिल की बिक्री

साइकिल कारोबारी शहंशाह हुसैन ने बताया कि पिछले 28 सालों से संतोषी नगर रोड पर साइकिल का कारोबार कर रहा हूं। कोरोना आने से पहले तक साइकिल का व्यपार एकदम से घट गया था। छोटे बच्चों की टॉय साइकिल ही बिकती थी, बड़ों की साइकिल दिनभर में एक-दो ही बिक पाती थीं, कामकाजी व स्पोर्ट्स से जुड़े लोग ही साइकिल खरीदने आते थे, लेकिन 2021 के बाद से साइकिल का कारोबार बढ़ गया है, सिर्फ 10 वर्ष से 40 वर्ष पार के लोग बड़ी संख्या में साइकिल खरीद रहे हैं। वर्तमान में रोजाना 10 से 15 साइकिलें बेच रहा हूं।

सिटी इवेंट

सिंधी काउंसिल का प्रतिभा सम्मान समारोह, बच्चों को किया सम्मानित

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा मेघावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें कक्षा दसवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए है, उनको प्रतिभा सम्मान समारोह से सम्मानित किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि सम्मान समारोह में 170 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुनील सोनी रहे। विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों का दसवीं के बाद टर्निंग पॉइंट आता है। इसके बाद ही उसके नए भविष्य की शुरुआत होती है। रायपुर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा सिंधी काउंसिल ने बच्चों को सम्मानित करके ऐतिहासिक कार्य किया है।

ये रहे उपस्थित

तीन मोटिवेशनल स्पीकर का भी उद्बोधन हुआ, इनमें जवाहर सूरी शेट्टी, डॉ. आर श्रीधर, अलकशेंद्र मोगरे मुख्य रहे। साथ ही समाजसेवा के कार्यक्षेत्र से जुड़ीं ममता शर्मा एवं राजीव मसंद भी शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी सहित बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर व पार्षद अमर गिदवानी, सचिन मेघानी, बद्री प्रसाद गुप्ता, सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, सुनील कुकरेजा, अनिल जोतसिंघानी, धनेश मटलानी, चंदर देवानी, रितेश वाधवा, जतिन नचरानी, तेजकुमार बजाज, सूर्यांश जेठानी, महेश खिलनानी, चंदन जैसिंघ, नरेश पंजवानी, सुशील दरिरा, कुणाल मथनी , जीतू लोहाना, बलराम मंदानी, मनीष थारानी उपस्थित रहे।

सजने लगा प्रभु जगन्नाथ का रथ, 11 जून को पूर्णिमा पर होगा महास्नान, बीमार होने पर देंगे औषधीय काढ़ा

इस्कॉन मंदिर में 108 प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया जाएगा

रायपुर। जगन्नाथपुरी की तर्ज पर देशभर के जगन्नाथ मंदिरों में स्नान यात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसे देव स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस वर्ष स्नान यात्रा 11 जून को जगन्नाथ मंदिरों में की जाएगी, साथ ही 27 जून को शहर के जगन्नाथ रथयात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर शहर के हजारों भक्त प्रभु जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ को नगर भ्रमण कराते नजर आएंगे। मंदिरों में रथ के रंगरोगन और साज-सज्जा की तैयारी जारी है। वहीं स्नान महोत्सव के अवसर पर भी भव्य श्रृंगार देखने को मिलेगा। शहर के प्राचीन जगन्नाथ मंदिरों में भगवान के रथ को नए कलेवर में आकर्षक बनाने का कार्य भी चल रहा है।

108 प्रकार के व्यंजनों का लगेगा भोग

टाटीबंध स्थित इस्कॉन मंदिर में श्री जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमा विराजमान है। मंदिर परिसर में 11 जून को भव्य स्नान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जहां सैकड़ों भक्त श्री जगन्नाथ को दर्शन के लिए शामिल होंगे। मंदिर से भोला साहू ने बताया कि शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक निरंतर स्नान यात्रा जारी रहेगी, इसकी शुरुआत भगवान के आव्हान से होगी। जहां दूध और पांच प्रकार के फलों के रस से अभिषेक होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को भी अवसर दिया जाएगा। स्नान यात्रा के बाद 108 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा।

गिरिराज मंदिर में आम महोत्सव

बुढ़ापारा स्थित गिरिराज मंदिर से सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि को ज्येष्ठाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में गुप्त रूप से गिरिराज भगवान का अभिषेक चतुर्दशी के दिन किया जाएगा। जगन्नाथ मंदिर में स्नान यात्रा से पूर्व ज्येष्ठाभिषेक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सोने और चांदी के पात्र में केसर, चंदन, तुलसी, गुलाब जल, इत्र, सात फूलों की पंखुड़ियों को एकत्र कर रखा जाएगा। दूसरे दिन शाम 5 बजे आम महोत्सव मनाया जाएगा।

सुबह 9.30 बजे स्नान यात्रा

गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख पुरंदर मिश्रा ने बताया कि सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसके लिए मंदिर परिसर में तैयारी शुरू हो गई है। इस वर्ष भी जगन्नाथ रथयात्रा से पूर्व रथ के रंगरोगन का काम शुरू हो गया है, स्नान यात्रा के बाद श्री जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को भोग अर्पित किया जाएगा, जिसके बाद भगवान अपने विश्राम कक्ष की ओर प्रस्थान करेंगे।

संगीतमय भजन से जनमानस को किया आध्यात्मिक रस से सराबोर

रायपुर। भागवत कथा प्रचार समिति व युवा संगठन समिति रामनगर कर्मा चौक के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय भव्य संगीतमय भक्तमाल कथा व भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कथाव्यास व भजन सम्राट कविचंद्र दास महाराज श्रीधाम वृंदावन ने अपनी मधुर वाणी में भक्तमाल की दिव्य कथाओं का सरस वाचन किया। कार्यक्रम की शुरुआत हरिनाम संकीर्तन एवं मंगलाचरण से हुई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर सहभागिता की। कविचंद्र दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम एवं संत चरित्रों की मधुर कथाओं को भजन के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए जनमानस को आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया। कथा के साथ-साथ

संगीतमय भजन संध्या का भी आयोजन हुआ, जिसमें हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे व हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन समिति से डॉ. भागवत साहू ने बताया, स्थानीय भक्तजनों सहित दूरदराज से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बांस शिल्प आर्ट से सजा रहे घर, बाजार में लैंप, फ्लॉवर पॉट, कुर्सियां, शोकेस की मांग

रायपुर। घरों के साज सजावट से एक सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है। इसलिए आजकल लोग अलग-अलग थीम बेस्ड होम इंटीरियर डिजाइनिंग कराना पसंद करते हैं। इसी थीम बेस्ड होम डेकोर इंटीरियर डिजाइन में पारंपरिक बांस शिल्प आर्ट का चलन काफी बढ़ा है। शहर में आजकल घर के किसी खास हिस्से जैसे बैठक हॉल, डायनिंग रूम, स्वीमिंग पूल, लॉन आदि जगहों को पारंपरिक ट्राइबल लुक देने के लिए बांस शिल्प आर्ट से बने सजावटी आइटम से सजा रहे हैं। राजधानी में तेलीबांधा रोड स्थित बांस शिल्प आर्ट व डेकोर आइटम के विक्रेता राकेश से बांस शिल्प आर्ट से बने सजावटी सामानों के सिटी में डिमांड और उनकी कीमत के बारे में जानकारी ली गई। इस पर राकेश ने बताया कि 200 रुपए कीमत से 2500 रुपए से अधिक तक के बांस शिल्प आर्ट सजावटी बांस के फर्नीचर, जैसे कि मेज, कुर्सी, बिस्तर और सोफे, अपनी मजबूत और टिकाऊ सामग्री के कारण लोकप्रिय हैं। बांस एक नवीकरणीय और टिकाऊ संसाधन है, इसलिए यह पर्यावरण के अनुकूल शिल्प है। बांस शिल्प कला कारीगरों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन है, जो लोगों को रोजगार और आय के अवसर प्रदान करती है। बांस से बने फूलदान, लैंप, विंड चाइम और दीवार सजावट जैसे सजावटी आइटम भी अच्छी खासी डिमांड हो रही है।

ऑफिस व होम डेकोर में बढ़ा चलन

बांस शिल्प आर्ट में आधुनिक मशीनें आने से कारीगरों को सजावटी सामानों को मनमुताबिक डिजाइन देने में सहूलियत हुई है। आर्डर के मुताबिक बांस शिल्प आर्ट की सजावटी आइटम बनाया जाता है। पिछले 5 सालों में लोग में बांस शिल्प आर्ट से बने सजावटी सामानों को लेकर रूझान बढ़ा है। वे घरों, ऑफिस, रेस्टोरेंट जैसी जगहों पर बांस शिल्प के सजावटी सामग्रियों से पारंपरिक लुक दे रहे हैं।

दूसरे राज्यों में भी डिमांड

बांस शिल्प आर्ट से बने सजावटी सामग्रियों की डिमांड शहर व प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों में भी है। महाराष्ट्र, बेंगलुरु, मध्य प्रदेश से लेकर गोवा तक सप्लाई की जाती है। यहां बांस की कलाकृतियों की अच्छी खासी डिमांड हैं। यहां बांस का गुलदस्ता, लैंप, आभूषण, पैन स्टैंड, टोकरी, लैंप, दीवार घड़ी आइटम की खूब मांग है।

सिटी स्पोर्ट्स

चेस में छत्तीसगढ़ की महिला शतरंज टीम दूसरे स्थान पर

रायपुर। केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज चेस प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन पेडेम स्टेडियम मापुसा गोवा में संपन्न हुआ। इस चेस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला शतरंज टीम ने 19 टीमों में से दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसमें रायपुर से रीता चौबे, सोनिया भगत रायगढ़, आरती पावले बिलासपुर, राजेश्वरी ध्रुवंशी महासमुंद, अफ़शा परवीन राजनांदगांव और लक्ष्मी शुक्ला जशपुर की महिला खिलाड़ियों ने अपना वर्चस्व बनाए रखा। कुल 6 राउंड की इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने 9 अंकों के साथ रजत पदक प्राप्त कर हमारे राज्य को गौरवान्वित किया। साथ ही महिला टीम के खिलाड़ी में से राजेश्वरी ध्रुवंशी ने चौथे बोर्ड एवं अफशा परवीन ने पांचवे बोर्ड का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ चेस टीम के कोच टीएन रेड्डी एवं मैनेजर वैष्णवी साहू रहे।

विदित हो कि इससे पूर्व छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने रांची में (2019-20) स्वर्ण पदक, दिल्ली में(2021- 22) कांस्य पदक, भुनेश्वर में (2022-23) रजत पदक प्राप्त कर राज्य का मान बढ़ाया है। हम इन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। महिला वर्ग में केरल ने प्रथम, एवं सीएस दिल्ली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टिकेश्वरी साहू का रायपुर एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत

रायपुर। अंटालिया (टर्की) में आयोजित आईएफएमए वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर लौटी खेल एवं युवा कल्याण विभाग दंतेवाड़ा की कोच कुमारी टिकेश्वरी साहू का रायपुर विमानतल पर म्यू थाई संघ द्वारा शानदार स्वागत किया गया। यह जानकारी देते हुए राज्य म्यू थाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने आगे बताया कि इस अवसर पर राज्य म्यू थाई संघ के महासचिव अनीस मेमन, अंतराष्ट्रीय म्यू थाई खिलाड़ी विशाल हियाल एवं अमन यादव (भाजपा खेल एवं कला प्रदेश प्रमुख), राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं आदि शक्ति नारी उन्नयन संस्थान - रायपुर की अध्यक्ष अन्नू कंवर, राष्ट्रीय म्यू थाई खिलाड़ीगण मानसी तांडी, प्रियंका साहू एवं परिवार के सदस्य आदि उपस्थित थे। विमानतल तल के अलावा मोहल्ला वासियों ने गंगा नगर भनपुरी स्थित घर पर टिकेश्वरी साहू का परंपरागत रूप से स्वागत सम्मान किया गया।

उल्लेखनीय है कि टिकेश्वरी साहू उक्त अंतरराष्ट्रीय आयोजन में कांस्य पदक जीतने के अलावा ओएसएम कोर्स पूर्ण कर अंतरराष्ट्रीय कोच का दर्जा हासिल किया और वाए क्रू इवेन्ट के व्यक्तिगत और मिक्स इवेन्ट में प्रथम दस के अंदर रैंकिंग प्राप्त किया है। इस तरह चार उपलब्धि हासिल करने वाली टिकेश्वरी साहू छत्तीसगढ़ की प्रथम खिलाड़ी है।

कैल्शियम की पूर्ति के लिए बच्चों से लेकर बूढ़े तक इन दो फूड्स एंड ड्रिंक्स को रोजाना पिएं

मिलावटी दूध नहीं पीते तो इस ड्रिंक को शुरू कर दें लेना, न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया हड्डियां होंगी

काफी सारे लोग दूध पीना पसंद नहीं करते। वहीं पैकेट वाले मिल्क को पीने के लिए काफी सारे हेल्थ एक्सपर्ट भी मना करते हैं क्योंकि इसमे कई तरह की मिलावट रहती है। लेकिन दूध हेल्थ के लिए जरूरी होता है क्योंकि दूध को कैल्शियम का रिच सोर्स माना जाता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चों और खुद भी मिलावटी दूध नहीं पिलाना चाहती हैं तो कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए इन फूड्स एंड ड्रिंक का सहारा ले सकती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि कैल्शियम की कमी को पूरा किया जा सकता है। अगर किसी को कैल्शियम की कमी हो रही है तो उसे इन दो फूड्स एंड ड्रिंक्स को जरूर पीना चाहिए।

धनिया-पुदीना की ड्रिंक

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करना है और कैल्शियम रिच फूड्स खाने हैं तो धनिया और पुदीना की ताजी पत्तियों से बने रस को पिएं। श्वेता बताती हैं कि इस ड्रिंक में एक गिलास दूध से तीन गुना ज्यादा कैल्शियम है। इसे आप अपने बच्चों को भी पिला सकते हैं।

सहजन

दूसरा फूड जो कैल्शियम रिच है और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करेगा वो है सहजन। सहजन यानी ड्रमस्टिक की दो फलियों को उबालकर रोजाना खाने से बोन डेंसिटी बढ़ती है। खासतौर पर बढ़ती उम्र में जब महिलाओं को ऑस्टिपोरोसिस होने का खतरा रहता है तो उन्हें सहजन यानी ड्रमस्टिक की फलियों को जरूर खाना चाहिए।

ड्रमस्टिक का सूप

सहजन और सैलरी को उबालकर सूप भी तैयार किया जा सकता है। पानी में एक सहजन की फली और आधी सैलरी की स्टिक को उबालें। साथ में स्वादानुसार नमक, काली मिर्च और नींबू का रस मिला दें। कुकर में उबालकर इसका पेस्ट बना लें और फिर छान लें। नमक और काली मिर्च डालकर थोड़ा सा उबालकर गाढ़ा कर लें। तैयार है हेल्दी सूप, इसे पीने से शरीर को कैल्शियम भरपूर मात्रा में मिलता है और हड्डियां मजबूत होती है।

स्मोकिंग की लत को कम करने में मदद करते हैं ये 4 नेचुरल तरीके

वर्ल्ड नो टोबैको डे 31 मई को दुनियाभर में मनाया गया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के बुरे प्रभाव के बारे में जागरुक करना और इस्तेमाल को रोकना है। बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू और गुटखा खाने से फेफड़ों से लेकर दिल तक की बीमारियों का खतरा रहता है। वहीं कैंसर जैसी गंभीर बीमारी तंबाकू की वजह से लोगों को शिकार बना रही है। खासतौर पर स्मोकिंग खुद के साथ ही दूसरों को भी हार्म करती है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या स्मोकिंग और तंबाकू की लत को छुड़ाने की है। काफी सारे लोग जो तंबाकू की लत को छुड़ाना चाहते हैं उनका मानना है कि ये काफी मुश्किल है। ऐसे में कुछ नेचुरल रेमेडी और हर्ब्स स्मोकिंग की लत को छुड़ाने में मदद करेगी। स्मोकिंग की लत को छुड़ाने में इन नेचुरल रेमेडी का सहारा लिया जा सकता है

एक्यूपंचर थेरेपी

2012 में हुई स्टडी के मुताबिक एक्यूपंचर की मदद से स्मोकिंग की लत में कमी आती है। दरअसल, कान के पास मौजूद खास एक्यूपंचर प्वाइंट जो वेगस नर्व्स के सबसे करीब होती है, पर प्रेशर डालने से स्मोकिंग की लत पर असर होता है। एक्यूपंचर की मदद से ट्रीटमेंट करने पर स्मोकिंग ना करने से होने वाली दूसरी समस्याओं जैसे सिर दर्द, माइग्रेन,मायोफेशियल दर्द जैसी समस्या में राहत मिलती है।

इन हर्ब्स से स्मोकिंग की लत से मिलती है राहत

लेवेंडर ऑयल : लेवेंडर ऑयल में लिनालूल और लिनालिल कंपाउंडर होते हैं जो स्मोकिंग की लत को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। लगातार स्मोक ना करने की वजह से होने वाले सिर दर्द और नींद ना आने की समस्या में लेवेंडर ऑयल राहत देता है। वहीं जो लोग स्मोकिंग छोड़ना चाहते हैं उन्हें कंसन्ट्रेशन में दिक्कत होती है। इससे राहत पाने में अरोमाथेरेपी में लेवेंडर ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद रहता है।

काली मिर्च : काली मिर्च का इस्तेमाल स्मोकिंग की लत छुड़ाने में भी मदद करता है। स्मोकिंग ना करने पर इंसान को घबराहट, बेचैनी और एंजायटी होने लगती है। ऐसे में काली मिर्च ऑयल इन दिक्कतों को कम करने में मदद करता है। ब्लैक पेपर ऑयल को इनहेलर में लेकर सूंघने से असर होता है। वहीं इस एसेंशियल ऑयल को सीने पर लगाने से स्मोकिंग की लत कम होती है। काली मिर्च के तेल का अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल निकोटिन की लत को छुड़ाने में मदद करता है।

नींबू : नींबू के रस का स्मोकिंग पर कितना असर होता है। इस बारे में और ज्यादा रिसर्च की जरूरत रहती है। लेकिन ताजे नींबू के रस को पीने से निकोटिन की तलब कम होती है।

5 जून से चमक सकता है इन राशियों का भाग्य, गुरु और शुक्र बनाएंगे लाभ दृष्टि

वैदिक ज्योतिष अनुसार ग्रह समय- समय पर अन्य ग्रहों के साथ युति बनाते हैं। जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश-दुनिया पर पड़ता है। आपको बता दें कि 5 जून शुभ ग्रह शुक्र और गुरु एक दूसरे से 60 डिग्री की कोणीय स्थिति पर स्थित होंगे। इन दोनों ग्रहों की इस कोणीय योग को लाभ योग या लाभ दृष्टि योग कहते है। ऐसे में इन दोनों ग्रहों की लाभ दृष्टि से कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ के साथ तरक्की के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं

धनु राशि : आप लोगों के लिए गुरु और शुक्र की लाभ दृष्टि लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इस दौरान नौकरी में प्रमोशन और बिज़नेस में लाभ होने के पूरे योग हैं। स्टूडेंट्स को पढ़ाई में सफलता मिलेगी। नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए भी यह समय शानदार है। वहीं इस अवधि में कोई रुका हुआ भुगतान प्राप्त हो सकता है या धन का नया स्रोत बन सकता है। उच्च शिक्षा या विदेश से जुड़े कार्यों में प्रगति के संकेत हैं। साथ ही इस दौरान आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। वहीं आप धन की सेविंग करने में सफल रहेंगे।

कुंभ राशि : गुरु और शुक्र की लाभ दृष्टि कुंभ राशि के लोगों को सकारात्मक साबित हो सकती है। इस अवधि में आपकी आय़ में जबरदस्त इजाफा हो सकता है। साथ ही आय के नए- नए स्त्रोत बन सकते हैं। वहीं इस समय आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और अपनी बात को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही इस दौरान बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। वहीं नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। इंक्रीमेंट और प्रमोशन हो सकता है।

तुला राशि : गुरु और शुक्र की लाभ दृष्टि तुला राशि के जातकों को अनुकूल सिद्ध हो सकती है। इस दौरान आपको व्यावसायिक साझेदारियों से लाभ होगा। इस समय सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ेगी और आकर्षण बढ़ेगा। साथ ही इस दौरान पढ़ाई और करियर में सफलता मिलेगी। धार्मिक या आध्यात्मिक कामों में मन लगेगा, जिससे आपको सुकून मिलेगा। वहीं इस समय आप देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप कोई वाहन या प्रापर्टी खरीद सकते हैं।

सूखी हुई तुलसी के पौधा भी है बड़ी महत्व की चीज, सुख-शांति वैभव करता है प्रदान

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस घर में तुलसी की पौधा होता है, तो वहां का माहौल सकारात्मक होता है। साथ ही घर में कभी भी सुख-समृद्धि की कमी नहीं होती है। लेकिन कई बार तुलसी सूख जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि सूखी हुई तुलसी का क्या करना चाहिए।

सूखी लकड़ी का दीपक जलाएं

सूखी तुलसी की छोटी-छोटी 7 लकड़ियां इकट्ठी कर लें। इसके बाद उन्हें एक साथ सूत से बांध दें। इसके बाद उन्हें घी में डूबों एक दीपक में रखकर भगवान विष्णु के सामने जला सकते हैं। कब करें ये उपाय- इस उपाय से भगवान विष्णु जल्द ही प्रसन्न होते हैं। इस उपाय को एकादशी या फिर किसी भी मास के कृष्ण या शुक्ल पत्र की त्रयोदशी तिथि के दिन कर सकते हैं।

गंगाजल संग छिड़काव

तुलसी की सात लकड़ियों को एक साथ लेकर सूत से बांध लें। इसके बाद सप्ताह में एक बार इन्हें गंगाजल में डूबों दें। फिर पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव कर दें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाएंगी।

पर्स में रखें लकड़ी

तुलसी की 7 छोटी-छोटी लकड़ियों को बांधने के बाद उनकी पूजा करें और फिर इन्हें पर्स, तिजोरी या फिर धन वाले स्थान में रख दें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती है।

प्रवेश द्वार में टांगें

सूखी तुलसी की जड़ को निकाल लें। इसके बाद इन्हें धो लें और इसे किसी साफ कपड़े में करके प्रवेश द्वार में टांग सकते हैं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होगी।

तुलसी की जड़ का करें ये उपाय

कुंडली से ग्रह दोष हटाने के लिए एक लाल रंग के कपड़े में थोड़ी सी सूखी तुलसी की जड़ रख लें और इसे गले या फिर बाजू में पहन लें। ऐसा करने से आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति सही हो जाएगी।

हिमाचल की मनपसंद डिश प्याज की मिनी कचौरी, बनाएं घर में

समय के साथ सामुदायिक जीवन विकसित हुआ है, जहां संयुक्त परिवार धीरे-धीरे अधिक स्वतंत्र जीवनशैली की ओर बढ़े हैं। अलग-अलग आकांक्षाएं और अवसर परिवार के सदस्यों को दूर ले जाते हैं, लेकिन समुदाय का मूलभाव हमेशा जीवंत बना रहता है। जहां भी हम बसते हैं, हमें साथी मिलते हैं दोस्त, परिवार के मित्र या दूर के रिश्तेदार, जो हमारे सहारे बनते हैं, हमारे साथ हंसी, दुख और रोजमर्रा के पल साझा करते हैं।

प्याज की मिनी कचौरी रेसिपी :

सामग्री: आटे के लिए-1/2 कप मैदा, 1/2 कप गेहूं का आटा, 1 चुटकी बेकिंग सोडा, 2 टेबलस्पून गर्म तेल, स्वादानुसार नमक, आवश्यकतानुसार पानी

भरावन के लिए: 3 मध्यम आकार के प्याज बारीक कटे हुए, 1 टीस्पून जीरा, 1/2 टीस्पून कलौंजी, 1/2 टीस्पून सौंफ दरदरी पीसी हुई, 1 टीस्पून कसूरी मेथी, 1/4 टीस्पून हींग, 1 टीस्पून गर्म मसाला, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून अमचूर पाउडर, 1 टीस्पून काली मिर्च, दरदरी पीसी हुई, 2 टहनी हरा धनिया कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल।

भरावन तैयार करें: एक पैन में 2 टेबलस्पून तेल गर्म करें। उसमें हींग डालें और कुछ सेकंड तक भूनें। जीरा डालें और लाल मिर्च पाउडर और कटा हुआ प्याज मिलाएं। प्याज को हल्का भूरा होने तक भूनें। अमचूर पाउडर, सौंफ, कलौंजी, धनिया पाउडर, काली मिर्च, गर्म मसाला डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कसूरी मेथी और हरा धनिया डालें। ठंडा होने दें, फिर नमक डालें।

पाइल्स रोगियों को भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये चीजें, जानें किससे मिलेगा फायदा

फाइबर युक्त आहार

पाइल्स रोगियों को फाइबर रिच आहार का सेवन करना चाहिए। फाइबर मल को नरम बनाकर मल त्याग की प्रक्रिया को आसान बनाता है, जिससे पाइल्स में राहत मिलती है। इसके लिए आप साबुत अनाज (जैसे ओट्स, ब्राउन राइस), दालें, मूंग, चना, सेब, नाशपाती, गाजर, ब्रोकली, पालक का सेवन कर सकते हैं। इन चीजों में मौजूद फाइबर कब्ज को रोककर आंतों को स्वस्थ बनाए रखता है।

मसालेदार भोजन

मसालेदार खाना पाइल्स रोग में जलन और दर्द को बढ़ा सकता है। अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन गुदा क्षेत्र में जलन पैदा कर सकता है।

प्रोसेस्ड और जंक फूड : कम फाइबर वाले खाद्य पदार्थ जैसे पिज्जा, बर्गर, चिप्स, मैदा कब्ज की समस्या पैदा करते हैं। ये सभी चीजें मल को कठोर बनाते हैं, जिससे मल त्याग मुश्किल हो जाता है।

केला और अमरूद

कुछ फलों में टैनिन्स या सख्त फाइबर मौजूद होने से वो कब्ज की समस्या को बढ़ा सकते हैं। इस तरह के फलों में खासकर अधपके केले और बीजदार अमरूद शामिल होते हैं, जो मल को कठोर बनाकर दर्द और सूजन को बढ़ते हैं।

अधिक नमक वाला भोजन

पाइल्स रोगियों को अधिक नमक का सेवन भी नहीं करना चाहिए। बता दें, क्योंकि नमक पानी को अवशोषित करके मल को कठोर बना सकता है। नमकीन, अचार, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ पाइल्स रोगी की सेहत के लिए खराब होते हैं। यह कब्ज बढ़ाते हैं। मांस और हाई प्रोटीन डाइट को पचाने में समय लगता है, जिससे कब्ज की शिकायत हो सकती है। जो पाइल्स रोगियों के लिए ठीक नहीं है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बर्तन धोने का भी काम कर चुका है ये 'स्पाइडर मैन'

जब भी कभी स्पाइडर मैन जैसे सुपरहीरो का जिक्र होता है, तब जहन में हॉलीवुड एक्टर टॉम हॉलैंड का नाम सबसे पहले जहन में आता है। टॉम हॉलैंड ने इस

कैरेक्टर में ऐसी जान फूंकी है कि बच्चे तो टॉम को असल का स्पाइडर मैन समझ लेते हैं। टॉम ने यूं तो अपने करियर में कई किरदार निभाए हैं, लेकिन स्पाइडर मैन के नाम से उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलेरिटी मिली। दिलचस्प बात ये है कि टॉम सिर्फ हॉलीवुड में ही नहीं बल्कि भारत में भी काफी मशहूर हैं। टॉम हॉलैंड का जन्म 1 जून 1996 को इंग्लैंड के किंग्सटन में हुआ। बेशक वो भारत में पैदा नहीं हुए, लेकिन उन्हें हमेशा इंडिया से बेशुमार प्यार मिला, इसके पीछे कई दिलचस्प कारण हैं। चाहे वो मार्वल की फिल्मों में स्पाइडर-मैन के किरदार के लिए हो या सोशल मीडिया पर उनके चुलबुले अंदाज के लिए, भारतीय फैंस के दिलों में टॉम की खास जगह है। टॉम हॉलैंड ने मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (MCU) में स्पाइडरमैन वाले आइकॉनिक सुपरहीरो को इतने सहज और मजेदार तरीके से निभाया कि भारतीय दर्शकों ने उन्हें सिर-आंखों पर बिठा लिया। खासकर 'स्पाइडर-मैनः नो वे होम' और 'स्पाइडर-मैनः फार फ्रॉम होम' जैसी फिल्मों ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की। भारत में मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

टॉलीवुड

मणिरत्नम की अनोखी प्रेम कहानियां, दिखी आतंकवादी से लेकर रावण तक की लव स्टोरी

तमिल सिनेमा में काम करने वाले मणिरत्नम ने हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्में भी बनाई हैं। मणिरत्नम की फिल्मों का

इंतजार दर्शक बड़ी ही बेसब्री से करते हैं। इन दिनों मणिरत्नम अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। जो उनके जन्मदिन के तीन दिन बाद यानी कि 5 जून को रिलीज हो रही है। फिल्म हिंदी भाषा में भी रिलीज की जाएगी। मणिरत्नम की अगर हिंदी फिल्मों या बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो भले ही उन्होंने कम फिल्में बनाई हैं, लेकिन उनका हिट का एवरेज काफी शानदार है। साउथ में काम करने वाले मणिरत्नम 1998 में एक हिंदी फिल्म लेकर आए 'दिल से', फिल्म में शाहरुख खान, मनीषा कोईराला और प्रीति जिंटा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई हैं। यह एक लव स्टोरी है, जिसमें आतंकवाद के मुद्दे को भी मणिरत्नम ने बहुत ही सलीके से दिखाया है। फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही थी, हालांकि, बाद में अब इसे बॉलीवुड की कल्ट फिल्मों में गिना जाता है। फिल्म को 6 फिल्मफेयर अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड मिले थे। फिल्म के गाने आज भी लोगों की पसंद हैं और प्ले लिस्ट में शामिल हैं। 2004 में आई 'युवा' एक पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे मणिरत्नम ने लिखा, प्रोड्यूस किया और डायरेक्ट किया है। यह मणिरत्नम की ही तमिल फिल्म 'आयथा एझुथु' का हिंदी रीमेक थी। इस मल्टीस्टारर फिल्म में अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, विवेक ओबेरॉय, करीना कपूर और रानी मुखर्जी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। अलग-अलग स्टोरी

भोजपुरी

संजना पांडेय और गौरव झा की फिल्म 'नारी' 6 जून को

भोजपुरी फिल्मों की टीआरपी क्वीन कही जाने वालीं संजना पांडेय नई फिल्म 'नारी' से धमाल मचाने आ गई हैं। इसमें उनका एक्शन

अवतार नजर आएगा। फिल्म में गौरव झा भी हैं और यह 6 जून को रिलीज होगी। विश्वमूर्ति फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनी एक्शन ड्रामा फिल्म 'नारी' 6 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म में लीड रोल में संजना पांडेय और गौरव झा नजर आएंगे। फिल्म में संजना पहली बार एक्शन अवतार में दिखाई देंगी। यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की सोच को एक नई ऊंचाई देती है। भोजपुरी फिल्म 'नारी' के निर्माता संजय पांडेय और देवेंद्र बंसल हैं, जिन्होंने बताया कि यह फिल्म समाज में महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष को मजबूती से प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी हर चुनौती का डटकर सामना कर सकती है और यही फिल्म की मूल भावना है। फिल्म का निर्देशन सोम भूषण श्रीवास्तव ने किया है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म नारीत्व के सम्मान और आत्मबल पर केंद्रित है। फिल्म में न केवल एक्शन है, बल्कि भावनाओं, संघर्ष और सामाजिक संदेशों का गहरा मिश्रण भी है। यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों से जुड़ने की ताकत रखती है। संजना पांडेय ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि इस फिल्म के जरिए उन्हें अपने एक्टिंग टैलेंट के एक नए पहलू को दिखाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण पर बनी यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म 'नारी' में संजना पांडेय और गौरव झा के साथ किरण सिंह, निशा तिवारी, रामसुजान सिंह, के के गोस्वामी, मटरू, जय सिंह, सुबोध सेठ, शाइना सिंह, संजय मिश्रा, पिंकी सहाय, प्रदीप महादेव पवार, सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मुन्ना दुबे ने तैयार किया है, गीत प्यारेलाल यादव, राजेश मिश्रा और शेखर मधुर के हैं। फिल्म का म्यूजिक राजा यादव ने दिया है।

लाइफ स्टाइल

वामिका गब्बी ने जीता दिल

वामिका गब्बी ने फ्लोरल प्रिंट में स्ट्रैप स्टाइल अनारकली सूट पहना है। उनका ये लुक स्टाइलिश लग रहा है। गर्मी के लिए इस स्टाइल का सूट परफेक्ट रहता है।

बनारसी साड़ी को नए अंदाज में करें कैरी लुक देखकर लोग नजरें नहीं हटा पाएंगे

फैशन

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे महिलाएं हर मौके पर पहनना पसंद करती हैं। बात करें साड़ियों के टाइप की तो ज्यादातर महिलाओं को बनारसी साड़ी पसंद आती है। उत्तर प्रदेश के बनारस में बनने वाली ये बनारसी साड़ी शादी-विवाह से लेकर पूजा-पाठ के मौके के लिए भी सबसे सही विकल्प मानी जाती हैं।

महिलाएं तो बनारसी साड़ी को बड़े चाव से पहनती हैं, लेकिन युवा लड़कियों को पारंपरिक परिधान में मॉडर्न टच देना पसंद आता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपनी पुरानी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी कर सकती हैं। इससे आपको पुरानी से पुरानी साड़ी भी दोबारा नए तरह से इस्तेमाल हो जाएगी।

सिंपल ब्लाउज को करें ना : यदि आप अपनी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो सिंपल से ब्लाउज को टाटा कहकर उसकी जगह क्रॉप टॉप को स्टाइल करें। ग्लैमरस लुक चाहिए तो बनारसी साड़ी के साथ कोर्सेट स्टाइल का ब्लाउज कैरी करें। वन-शोल्डर ब्लाउज भी आपके बनारसी साड़ी लुक को अलग और नया बनाने में मदद करेगा।

आजकल चल रहा केप का ट्रेंड : आजकल महिलाओं के बीच केप का काफी ट्रेंड है। केप हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छा लगता है। साड़ी के पल्लु को अच्छी तरह से ड्रेप करके अगर आप केप पहनेंगी तो आपका अंदाज काफी अलग और नया लगेगा। इसके लिए मैचिंग की जगह एक दम कॉन्ट्रास्ट का केप खरीदें, ताकि उसका लुक अच्छा दिखे।

बेल्ट लगाएं : बॉस लेडी लुक कैरी करना है तो आप साड़ी के साथ लेदर बेल्ट लगा सकती हैं। लेदर बेल्ट की वजह से आपका लुक काफी अलग और स्टाइलिश दिखेगा। ध्यान रखें कि ये बेल्ट आउटफिट से मैच खाती हो। इसके साथ ज्यादा चौड़ी बेल्ट का इस्तेमाल तो कतई न करें।

धोती स्टाइल में पहनें : यदि सिंपल साड़ी पहनते-पहनते आप बोर हो गई हैं तो अपनी खास बनारसी साड़ी को धोती स्टाइल में पहनें। धोती स्टाइल में साड़ी पहनने से आप सजह भी रहेंगी, और बार-बार आपको इसके खुलने का डर भी नहीं होगा।

ज्वेलरी को रखें अलग : ज्यादातर महिलाएं बनारसी साड़ी के साथ पारंपरिक ज्वेलरी कैरी करना पसंद करती हैं, लेकिन यदि आपको अपना लुक अलग रखना है तो टिपिकल एथनिक ज्वेलरी की जगह कुछ अलग हटकर पहनें। बोहो ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज ज्वेलरी जैसे विकल्प भी आपके लिए अच्छे रहेंगे।

गर्मियों में घुंघराले बालों को ज्यादा देखभाल की जरूरत, अपनाएं ये आसान हेयर केयर टिप्स

गर्मियों में घुंघराले बालों की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि इस मौसम में पसीना, धूल, उमस और धूप बालों को रूखा, बेजान और फ्रिज़्ज़ी बना सकते हैं। लेकिन कुछ आसान घरेलू उपायों और सही हेयर केयर रूटीन से आप अपने घुंघराले बालों को हेल्दी और खूबसूरत बनाए रख सकती हैं। अगर आप इन आसान उपायों को अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करेंगी तो आपके कर्ल्स न केवल खूबसूरत दिखेंगे बल्कि बालों की सेहत भी बनी रहेगी। आइए जानते हैं गर्मियों में घुंघराले बालों की देखभाल के आसान तरीके।

हल्के शैम्पू का करें इस्तेमाल

गर्मी में पसीना और धूल बालों को चिपचिपा बना सकते हैं, लेकिन बार-बार हेवी शैम्पू करने से बाल रूखे हो जाते हैं। इसलिए सल्फेट-फ्री, माइल्ड शैम्पू से हफ्ते में 2-3 बार ही बाल धोएं। इससे बालों की प्राकृतिक नमी बनी रहेगी।

डीप कंडीशनिंग

हर बार बाल धोने के बाद अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें। हफ्ते में एक बार डीप कंडीशनिंग या हेयर मास्क लगाएं ताकि घुंघराले बाल मुलाय और सुलझे हुए रहें। घर पर हेयर मास्क तैयार कर सकती हैं, इसके लिए दही में शहद और नारियल तेल मिलाकर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

गर्म पानी से न धोएं, कॉटन से सुखाएं

हमेशा गुनगुने या ठंडे पानी से बाल धोएं। गर्म पानी बालों की नमी चुरा लेता है और कर्ल्स डल लगने लगते हैं। तौलिया या कॉटन टी-शर्ट से सुखाएं बाल- बालों को पोंछने के लिए माइक्रोफाइबर तौलिया या पुरानी कॉटन टी-शर्ट का इस्तेमाल करें। इससे फ्रिज़ कम होता है और बालों का टेक्सचर बना रहता है।

तेज धूप से बचाएं बाल

धूप में निकलते समय बालों को स्कार्फ, हैट या कैप से ढकें। यूवी किरणें बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं और कर्ल्स बेजान लग सकते हैं।

लहंगे-साड़ी में असली हैंड वर्क की कैसे करें पहचान.... जान लें ये बातें

शादी में पहनने वाला लहंगा और साड़ियां काफी महंगी आती हैं। खासतौर पर अगर जरी वाले लहंगे-साड़ी की तरफ नजरें उठा ली जाएं तो उनके दाम तो आसमान छूते हैं। जरी वाले लहंगे-साड़ी देखने में न सिर्फ खूबसूरत लगते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से अंदाज एकदम शाही लगता है, लेकिन आजकल बाजार में जरी के हैंडवर्क के नाम भी मशीन के काम वाले आउटफिट, असली वर्क के नाम पर बेचे जा रहे हैं, जो बजट में भी आ जाते हैं।

असली-नकली जरी में बिल्कुल फर्क नहीं : ज्यादातर लोगों तो असली और नकली जरी के वर्क में फर्क पता नहीं लग पाता। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप आसानी से असली और नकली जरी वर्क की पहचान कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। यदि आप असली और नकली का फर्क जान जाएंगे तो आपके पैसे भी बर्बाद होने से बच जाएंगे।

देखें धागे की अनियमितता

यदि आप हैंड वर्क का आउटफिट खरीदने जा रहे हैं, तो उसके धागे की अनियमितता देखें। ध्यान रखें कि मशीन से जो काम किया जाता है इसका पैटर्न एकदम एक जैसा होता है। यानी कि उसमें धागों की दूरी में एक समान होगी, जबकि यदि आउटफिट पर हाथ से काम किया गया है, तो धागे में अनियमितता ही इस बात का सबूत होती है कि आउटफिट पर हैंड वर्क है।

काम को उलट कर देखें

आउटफिट खरीदने से पहले एक बार उलटकर चेक अवश्य करें। ध्यान रखें कि यदि किसी आउटफिट पर मशीन से काम किया गया है, तो उसमें बहुत सफाई होगी। धागे एक-दूसरे में बिल्कुल उलझे नहीं होंगे। जबकि हाथ से किए गए काम में धागे भी उलझे होंगे, और उसमें ज्यादा सफाई नहीं होती।

ज्यादातर महिलाओं को नहीं पता होता लिपस्टिक चयन करने का सही तरीका

''यार तेरी लिपस्टिक तो बड़ी अच्छी लग रही है। इसका शेड नंबर बता मैं भी खरीद लुंगी........'' ऐसी बातचीत अक्सर सहेलियों और घर की महिलाओं के बीच होती रहती है। पर, क्या आप जानते हैं कि लिपस्टिक खरीदने का ये तरीका सबसे खराब माना जाता है। लिपस्टिक का चयन कभी भी किसी और को देखकर नहीं करना चाहिए।

ज्यादातर महिलाओं को लिपस्टिक खरीदने का सही तरीका पता ही नहीं है। इसलिए हम आपको परफेक्ट लिपस्टिक ढूंढने का सही तरीका बताएंगे। लेख में दी गईं टिप्स को फॉलो करके आप अपने लिए पसंदीदा और परफेक्ट लिपस्टिक का शेड पसंद कर सकती हैं।

पहचानें अपनी स्किन टोन : लिपस्टिक चुनने के लिए ये सबसे अहम स्टेप होता है। यदि फेयर स्किन है तो आप पर गुलाबी, पीच, मौवे, बेरी, लाल रंग की लिपस्टिक खूब जचेगी। यदि गेंहुआं रंग है तो रोज पिंक, मौवे पिंक, ब्रिक रेड और कोरल रंग की लिपस्टिक खूबसूरती को बढ़ा देगी। यदि आपका रंग गहरा है तो प्लम, डीप रेड, ब्राउन और बर्गंडी शेड की लिपस्टिक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

जगह का ध्यान रखें : एक ही लिपस्टिक हर मौके के लिए सही नहीं रहती। हर जगह के लिए अलग-अलग रंगों की लिपस्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे कि ऑफिस के हिसाब से न्यूड, पिंक, कोरल, लाइट मौवे रंग की लिपस्टिक महिलाओं के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। किसी पार्टी में जाना है तो वाइन, डीप मरून और चटक लाल रंग की लिपस्टिक का चयन करें। वहीं अगर पारंपरिक ट्रेडिशनल लुक कैरी करना है तो ब्रिक रेड, मैट मरून या फिर बर्गंडी रंग की लिपस्टिक को चुनें।

समय का ध्यान रखना भी जरूरी : स्किन टोन और जगह के साथ-साथ ये भी ध्यान रखना जरूरी है कि आप किस समय में लिपस्टिक कैरी करना चाहती हैं। जैसे कि दिन के समय हमेशा सॉफ्ट, लाइट, न्यूड और ग्लॉसी शेड्स बेहतर लगते हैं। वहीं अगर रात में लिपस्टिक कैरी करनी है तो डीप, बोल्ड और मैट फिनिश शेड्स आपकी खूबसूरती को निखारते हैं।

मौसम भी देखें : गर्मी के मौसम में ज्यादातर महिलाओं को मेकअप खराब होने का डर रहता है, ऐसे में इस मौसम में हमेशा मैट फिनिश की लिपस्टिक अच्छी लगती है, क्योंकि ये काफी हल्की होती है।

कार्नर न्यूज

सिल्क की साड़ी अपने आप में ही काफी रॉयल लुक देती है

असली के नाम पर बाजार में बेचा जा रहा नकली सिल्क, ऐसे करें पहचान....?

सालों से सिल्क फैब्रिक महिलाओं के लेकर पुरुषों के लुक में रॉयल्टी जोड़ता आ रहा है। चाहे महिलाओं की साड़ी की बात करें, या फिर बात करें पुरुषों के कुर्तों की, सिल्क फैब्रिक हर किसी के लिए परफेक्ट माना जाता है। सिल्क फैब्रिक का ट्रेंड इतना ज्यादा है, कि इसे आप ऑफलाइन से लेकर ऑनलाइन तक आसानी से खरीद सकते हैं। पर, क्या आप जानते हैं आजकल ट्रेंड को देखते हुए लोग असली के नाम पर नकली सिल्क बेच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी सिल्क का आउटफिट खरीद रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें और असली सिल्क की पहचान करके ही इसे खरीदें। यहां हम आपको असली सिल्क की पहचान करने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

धागा निकालकर जलाकर देखें

जब भी सिल्क की साड़ी खरीदने जाएं तो उसका निकला हुआ धागा तोड़कर उसे जलाकर देखें। यदि सिल्क फैब्रिक असली होगा तो ये जलने पर बाल या ऊन जैसी महक देगा। जबकि अगर ये नकली होगा, तो इसे जलाने पर प्लास्टिक जैसी महक आएगी। इसका ये टेस्ट कहीं बाहर ही करें।

असली सिल्क ठंडा व चिकना

असली सिल्क की पहचान आप छूने से भी कर सकते हैं। ये बात ध्यान रखें कि असली सिल्क को छूने पर वह ठंडा और चिकना लगता है। जबकि यदि आप नकली सिल्क को छुएंगे तो ये प्लास्टिक जैसा महसूस होगा। ये काफी गर्म भी रहता है।

रगड़ते ही गर्माहट देता है असली सिल्क

असली सिल्क वैसे तो ठंडा होता है, लेकिन जब इसे रगड़ा जाएगा, तो ये हल्की गर्माहट का एहसास देता है। जबकि यदि आप नकली सिल्क का इस्तेमाल करेंगे तो इससे गर्माहट नहीं होती है। नकली सिल्क को छूने से गर्मी लगती है।

धूप में चमक देखें

सिल्क फैब्रिक की साड़ी खरीदने जा रहे हैं, तो एक बार इसे धूप में चेक करें। दरअसल, जो असली सिल्क होता है वो धूप में हल्का चमकता है और आपको ये एहसास दिलाता है, कि उसका रंग बदल रहा है। जबकि नकली सिल्क की चमक धूप में काफी ज्यादा हो जाती है, और उसमें रंग भी नहीं बदलता।

वाटर टेस्ट करें

असली सिल्क की पहचान करने के लिए आप वाटर टेस्ट भी करके देख सकते हैं। इसके लिए सिल्क पर थोड़ा सा पानी डालें। यदि ये असली होगा तो इसका पानी जल्दी सूख जाएगा। जबकि अगर ये नकली होगा तो इसपर पानी ठहर जाता है, या फिर इसपर पानी का भी निशान आ जाता है।

इस बात का भी ध्यान रखें

सिल्क की साड़ी काफी महंगी आती है, इसलिए कोशिश करें कि इसे किसी ऐसी दुकान से ही खरीदें जो भरोसेमंद हो। अगर ऑनलाइन खरीद रहे हैं, तो ग्राहक रिव्यू और रिटर्न पॉलिसी जरूर देखें, ताकि अगर आपको ये पसंद न आए तो इसे वापस कर सकें।